Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 81 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 10 सितंबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

हमें अपनी संतान को दया धर्म के संस्कारों से संस्कारित करना चाहिये।

We should sanctify our offsprings by the rites of the religion of compassion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक में शामिल हुए छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर (विसं)। नई दिल्ली में आज केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी (माल और सेवा कर) परिषद की 54वीं बैठक आयोजित की गई। जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों एवं प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने भी भाग लिया। बैठक में जीएसटी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर पीड़ित परिवारों को मिली 28 लाख रुपए आर्थिक सहायता राशि

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर बलौदाबाजार जिले के मोहतरा गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 7 ग्रामीणों की मृत्यु पर उनके वारिसानों को 4-4 लाख रुपए के मान से 28 लाख रुपए जिला प्रशासन द्वारा दी गई है। कलेक्टर दीपक सोनी ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना के 24 घंटे के अंदर ही मृतक के परिवारों के लिए आर्थिक सहयता अनुदान राशि स्वीकृत की है। यह सहायता राशि राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत स्वीकृत की गई है। 8 सितम्बर 2024 को मोहतरा में आकाशीय बिजली गिरने से सुरेश, संतोष साहू, पप्पू साहू, पोखराम विश्वकर्मा, थानेश्वर साहू, देवदास, विजय साहू की मृत्यु हो गई थी।

गौ-आधारित जैविक एवं प्राकृतिक खेती खोलेगी किसानों के लिए खुशहाली का रास्ता : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने कृषि के शिल्पकार भगवान श्री बलराम जी की जयंती को हरवर्ष किसान दिवस के रूप मनाने किया आह्वान

प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया गया किसान दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि गौ-आधारित प्राकृतिक खेती किसानों के लिए खुशहाली और समृद्धि का रास्ता खोलेगी। जैविक खेती से जुड़कर धान के कटोरे के किसान समृद्ध होंगे। जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर स्थानीय इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर भगवान श्री बलराम जी की जयंती भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को हर वर्ष किसान दिवस के रूप मनाने का आह्वान भी किया। गौ-आधारित जैविक और प्राकृतिक खेती करने वाले तथा इस क्षेत्र में किसानों को प्रेरित करने वाले उत्कृष्ट किसानों को सम्मानित किया।

कार्यशाला में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को भगवान श्री बलराम जी जयंती की बधाई एवं शुभकनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के किसानों की समृद्धि को प्राथमिकता में रखते हुए कृषक कल्याण मंत्रालय का गठन हुआ। इस मंत्रालय के माध्यम से खेती-किसानी की बेहतरी और किसानों की आय बढ़ाने पर काम हो रहा है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए उद्यानिकी, मछलीपालन और पशुपालन जैसे क्षेत्रों में किसानों की भागीदारी बढ़ने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। भगवान श्री बलराम जी की जयंती के मौके पर राजधानी सहित प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में किसान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश की बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए खेती-किसानी पर निर्भर है। आज कृषि के क्षेत्र में अनेकों नवाचार हो रहे हैं, जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले किसान साहूकार और महाजनों से अत्यधिक ब्याज दर पर पैसे लेने को मजबूर थे। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने किसानों की पीड़ा को समझा और किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की व्यवस्था की। किसानों को आज नि:शुल्क अथवा बहुत की कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध हो रहे हैं।

अखिल भारतीय किसान संघ के श्री दिनेश कुलकर्णी ने गौ-आधारित प्राकृतिक खेती के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज जैविक एवं प्राकृतिक खेती की जरूरत है। मांग के अनुरूप प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें जैविक और प्राकृतिक खेती के लिए वैचारिक रूप से परिपक्व होना चाहिए।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के बीते इन 10 वर्षों में कृषि के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार ने किसानों को प्राथमिकता में लेकर किसान हित में नीतिगत् फैसले लिए हैं, जिससे किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज दौर में हमें मांग अनुरूप हमें गौ-आधारित जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की जरूरत हैं, ताकि किसान की आर्थिक स्थिति और मजबूत बनाया जा सके। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व नीतिगत् फैसलों और कार्यों से प्रदेश के किसान आज सामर्थवान बन रहे है। किसान अब खेती-किसानी को व्यवसाय के रूप में अपना रहे हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों में अच्छा वातावरण का निर्माण हुआ है।

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्री बलराम जी द्वारा कृषि के क्षेत्र में योगदान का स्मरण कराती है। वर्तमान दौर में जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर इस जयंती समारोह उद्देश्य को पूरा करने दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें कृषि वैज्ञानिकों के रिसर्च और वैज्ञानिक तकनीकियों और सहयोग से गौ-आधारित प्राकृतिक खेती की और आगे आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जैविक और प्राकृतिक खेती के फायदे के बारे में भी किसानों को जानकारी होगी तभी भगवान श्री बलराम जी के जयंती का उद्देश्य भी पूरा होगा। स्वागत भाषण इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल ने दिया। इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू, अखिल भारतीय किसान संघ, छत्तीसगढ़ प्रान्त के अध्यक्ष श्री सुरेश चन्द्रवंशी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

भारत-अबू धाबी के मध्य व्यापारिक समझौता पर वार्ता

प्रिंस शेख खालिद की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में मुलाकात

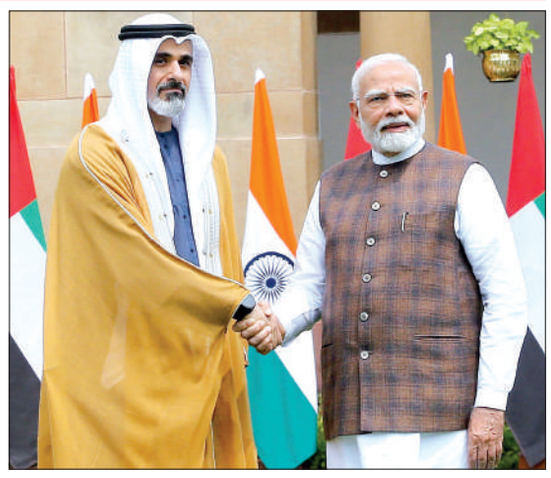

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज हैदराबाद हाउस में अबू-धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय चर्चा की. प्रधानमंत्री ने अबू धाबी के क्राउन प्रिंस का स्वागत किया और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे से हाथ मिलाकर और गले मिलकर अभिवादन किया।

दो दिवसीय भारत यात्रा के तहत रविवार को नयी दिल्ली पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि एक करीबी दोस्त का गर्मजोशी से स्वागत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में अबू धाबी के युवराज शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की अगवानी की।

आधिकारिक यात्रा पर भारत आए हैं क्राउन प्रिंस : 'भारत-संयुक्त अरब अमीरात द्विपक्षीय संबंधों के पूरे आयाम और सहयोग के भविष्य के क्षेत्रों पर चर्चा होनी है।' अगस्त 2015 में मोदी की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ऐतिहासिक यात्रा के बाद, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था।

दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार के लिए भारतीय रुपये और दिरहम (संयुक्त अरब अमीरात की मुद्रा) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए फरवरी 2022 में एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) और जुलाई 2023 में एक स्थानीय मुद्रा निपटान (एलसीएस) प्रणाली पर हस्ताक्षर किए।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में लगभग 85 अरब अमेरिकी अमरीकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ दोनों देश एक-दूसरे के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से हैं। 2022-23 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में भी यूएई, भारत में शीर्ष चार निवेशकों में शामिल है।

यूएई में करीब 35 लाख भारतीय रहते हैं। पिछले साल भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 शिखर सम्मेलन में यूएई को बतौर विशेष आमंत्रित देश न्योता दिया गया था। भारत की अध्यक्षता के दौरान जी20 समूह के लिए विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में यूएई को आमंत्रित किया गया था। फरवरी 2023 में भारत-यूएई-फ्रांस (यूएफआई) त्रिपक्षीय रूपरेखा को औपचारिक रूप से शुरू किया गया था।

-कमल नयन नारंग

भारत में मिला एमपॉक्स का पहला संदिग्ध केस, स्वास्थ्य मंत्रालय अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में एमपॉक्स (मंकीपॉक्स) का पहला संदिग्ध मामला रिपोर्ट हुआ है। संदिग्ध मरीज एक युवक है, जिसने हाल ही में ऐसे देश की यात्रा की थी जहाँ एमपॉक्स के मामले सामने आए हैं। युवक को अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है और उसे आइसोलेशन में रखा गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पुष्टि की है कि युवक की हालत स्थिर है और उसके एमपॉक्स से संक्रमित होने की पुष्टि के लिए सैंपल लिया गया है। इस सैंपल की जांच की जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में किसी भी अनावश्यक चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है और देश इस तरह के मामलों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारत ने यात्रा संबंधी मामलों के प्रबंधन और संभावित जोखिमों को कम करने के लिए मजबूत उपाय किए हैं।

विधानसभा से पारित प्रस्ताव पर कुंडली मारकर बैठा है केंद्र : हेमंत सोरेन

गिरिडीह (आरएनएस)। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भाजपा की ओर से उठाए जा रहे बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे के जवाब में आदिवासी सरना धर्म कोड का मामला उठाया है।

गिरिडीह जिले के गांडेय में आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग यहां घुसपैठिए की बात करते हैं, लव जिहाद और लैंड जिहाद की बात करते हैं। कहते हैं कि आदिवासियों की संख्या घट रही है। हम इनसे पूछते हैं कि आदिवासियों को जनगणना फॉर्म में सरना आदिवासी धर्म लिखने की इजाजत क्यों नहीं दे रहे। हमारी पहचान ही नहीं है तो हमारा गायब होना स्वाभाविक है। झारखंड विधानसभा से हमने आदिवासियों के लिए जनगणना में अलग धर्म कोड लागू करने का प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा, पर वे इस पर कुंडली मारकर बैठे हैं।

सोरेन ने भाजपा का नाम लिए बगैर कहा कि झारखंड में अगले दो-तीन महीनों में होने वाले चुनाव को देखते हुए पूरे राज्य में राजनीतिक गिद्ध मंडराने लगे हैं। कोई असम से आ रहा है तो कोई छत्तीसगढ़ से। अभी छोटे-छोटे गिद्ध आ रहे हैं। कुछ दिनों बाद बड़े-बड़े गिद्ध नजर आएंगे, जो जनता को झूठे आश्वासन परोसेंगे। कोई जाति तो कोई धर्म और कोई अगड़ा-पिछड़ा के नाम पर दिग्भ्रमित करेंगे। ऐसे गिद्धों से जनता को सावधान रहना होगा।

सोरेन ने कहा कि चार साल के शासनकाल में हमारे विरोधियों ने परेशान करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। मुझे जेल में डाल दिया गया, लेकिन ये जनता का आशीर्वाद है कि मैं आपके सामने हूं। झामुमो नेता ने भाजपा पर आदिवासियों-दलितों को ठगने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिए सरगुजा जिले में एल्युमिनियम प्लांट में हुई हादसे की जांच के आदेश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सरगुजा जिले ग्राम सिलसिला में संचालित एल्युमिनियम प्लांट में हुए औद्योगिक हादसे पर संवेदना प्रकट करते हुए मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जिसके परिपालन में कलेक्टर सरगुजा द्वारा जांच दल का गठन किया गया है।

गौरतलब है कि सरगुजा जिले के जनपद पंचायत लुण्ड्रा के ग्राम सिलसिला में संचालित मां कुदरगढ़ी एल्युमिनियम प्लांट में 8 सितंबर की सुबह औद्योगिक हादसे में 4 लोगों की मृत्यु हुई थी। जिस पर मुख्यमंत्री ने संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को घटना की त्वरित जांच के आदेश दिए हैं। कलेक्टर सरगुजा द्वारा गठित जांच दल में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लुण्ड्रा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लुण्ड्रा, जिला श्रम पदाधिकारी अंबिकापुर, प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र अंबिकापुर और औद्योगिक एवं सुरक्षा अधिकारी अंबिकापुर को शामिल किया गया है।

भारतीय कंपनियों के इजरायल को हथियार निर्यात में दखल से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया, जिसमें गाजा के साथ चल रहे संघर्ष के बीच इजरायल को हथियारों और अन्य सैन्य उपकरणों के निर्यात के लिए विभिन्न भारतीय कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने और नये लाइसेंस जारी करने पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई थी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि संविधान के अनुसार रक्षा और विदेश मामलों का संचालन करने का अधिकार और अधिकार क्षेत्र केंद्र सरकार के पास है। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा भी शामिल थे। शीर्ष अदालत ने कहा कि अनुच्छेद 162 के अलावा संविधान के अनुच्छेद 253 के प्रावधान यह निर्धारित करते हैं कि संसद के पास किसी भी अंतर्राष्ट्रीय समझौते, सम्मेलन या संधि को लागू करने के लिए पूरे भारत संघ या उसके हिस्से के संबंध में कोई भी कानून बनाने की शक्ति है। पीठ ने कहा, हम सरकार से यह नहीं कह सकते कि आप किसी देश को निर्यात नहीं करेंगे या आप किसी विशेष कंपनी को सैन्य उपकरण निर्यात करने वाली सभी कंपनियों के लाइसेंस रद्द कर देंगे। यह राष्ट्रीय नीति का मामला है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने माना कि याचिका में मांगी गई निषेधाज्ञा राहत से अनिवार्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय अनुबंधों और समझौतों का उल्लंघन होगा। उसने स्पष्ट किया कि उसकी टिप्पणियों का उद्देश्य केंद्र सरकार या किसी संप्रभु राष्ट्र द्वारा विदेश नीति के संचालन पर कोई राय देना नहीं है।

कानपुर से भिवानी जा रही 'कालिंदी एक्सप्रेस' को एलपीजी सिलेंडर से उड़ाने की साजिश

कानपुर (आरएनएस)। प्रयागराज से कानपुर होते हुए भिवानी के लिए चलने वाली ट्रेन कालिंदी एक्सप्रेस (14117) को एलपीजी सिलेंडर से उड़ाने की साजिश का मामला सामने आया है। ये ट्रेन रविवार को देर शाम ट्रैक पर रखे एक सिलेंडर से टकरा गई। रेलवे ट्रैक पर मिले एलपीजी सिलेंडर, पेट्रोल की बोतल को लेकर जांच शुरू हो गई है। आरपीएफ ने एफआईआर दर्ज किया है। इसके साथ मामले की जांच आईबी को सौंप दी गई है। माना जा रहा है कि रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर और पेट्रोल बोतल का मिलना सामान्य मामला नहीं है। यह घटना अनवरगंज-कासगंज रेलवे रूट की है। आरपीएफ के अधिकारियों के मुताबिक बर्राजापुर रेलवे स्टेशन से कालिंदी एक्सप्रेस ट्रेन करीब 2.5 किलोमीटर आगे चली ही थी कि रेलवे ट्रैक पर रखे LPG गैस सिलेंडर से टकरा गई। इससे जोर का धमाका हुआ।

कोलकाता पुलिस आयुक्त ने कई बार की इस्तीफे की पेशकश, लेकिन नहीं किया स्वीकार : ममता बनर्जी

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत कुमार गोयल आरजी कर मेडिकल कॉलेज घटना के मद्देनजर अपना इस्तीफा देने के लिए कई बार उनके पास आए। लेकिन उन्होंने उनका इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

बलात्कार और हत्या के मुद्दे पर जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और नौकरशाहों के साथ बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों से कहा, कमिश्नर कई बार इस्तीफा देने के लिए मेरे पास आए। वह एक सप्ताह पहले भी इस उद्देश्य से मेरे पास आए थे। लेकिन दुर्गा पूजा का त्योहार आगे है, जो व्यक्ति प्रभारी होगा, उसे कानून और व्यवस्था से संबंधित मौजूदा स्थिति के बारे में पता होना चाहिए। कुछ और दिन धैर्य रखने में क्या बुराई है? प्रदर्शनकारी सभी को बदलने की मांग कर रहे हैं। मैं पांच को बदल सकती हूं, लेकिन अन्य पांच को नहीं बदल सकती।

शहर के पुलिस प्रमुख को विशेष रूप से राज्य की चिकित्सा बिरादरी और नागरिक समाज की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा था। प्रारंभिक जांच में कथित खामियों के मद्देनजर नैतिक आधार पर उनके इस्तीफे की मांग की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्रालय की उस शिकायत को भी खारिज कर दिया, जिसमें राज्य सरकार पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों को आवश्यक सहयोग प्रदान नहीं करने का आरोप लगाया गया था। सीआईएसएफ के जवानों को जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में तैनात किया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा में कैबिनेट मंत्री ने लैब ऑन व्हील्स कार्यक्रम का किया शुभारंभ

लैब ऑन व्हील्स के द्वारा दूरस्थ ग्रामीणों की घर बैठे होगी स्वास्थ्य जांच : मंत्री लखन लाल देवांगन

कैबिनेट मंत्री देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर लैब ऑन व्हील्स के राइडर्स को किया रवाना

रायपुर (विश्व परिवार)। जिले के सुदूर वनांचलों मे निवासरत ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन की पहल से लैब ऑन व्हील्स कार्यक्रम का शुभारंभ आज कोरबा जिले में वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन द्वारा किया गया। मंत्री श्री देवांगन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में प्रारंभ किए गए नवाचार - लैब आन व्हील्स के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों को अनेक बीमारियों की जांच की नि:शुल्क सुविधा अपने घर बैठे प्राप्त होगी। जिससे ग्रामीणों को अपनी बीमारियों की जांच के लिए दूर शहर तक नहीं जाना पड़ेगा एवं इससे उनकी धन व कीमती समय की भी बचत होगी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को समय रहते होने वाली बीमारियों की जानकारी मिलने से इलाज में आसानी होगी एवं व्यक्ति के बीमारियों से ग्रसित होकर गंभीर स्थिति निर्मित्त होने से बचा जा सकेगा। इस कार्यक्रम के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में संग्रहित सैंपल को लैब ऑन व्हील्स राइडर्स द्वारा अपने विकासखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया जाएगा। जहां सैंपल की जांच की जाएगी एवं रिपोर्ट तैयार होने के बाद राइडर्स द्वारा रिपोर्ट को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पुन: वापस पहुंचाया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर, कलेक्टर श्री अजीत वसंत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुसार कलेक्टर कोरबा के द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ोत्तरी हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे है। इससे पहले डीएमएफ से स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की व्यवस्था की गई है। इसी कड़ी में आगे कदम बढ़ाते हुए लैब ऑन व्हील्स कार्यक्रम का प्रारंभ किया जा रहा है। इसी तरह जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार हेतु डीएमएफ की राशि से जर्जर स्वास्थय केंद्रों के मरम्मत एवं नए भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

पंजाब में 2,500 से अधिक डॉक्टर हड़ताल पर, ओपीडी सेवाएं प्रभावित

चंडीगढ़ (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी शासित राज्य पंजाब में 2,500 चिकित्सकों के हड़ताल पर जाने से ओपीडी सेवाएं प्रभावित हुई हैं। हड़ताल पर बैठे डॉक्टर सुनिश्चित करियर प्रगति योजना की मांग कर रहे हैं। हालांकि, आपातकालीन और गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) के कर्मचारी हड़ताल में शामिल नहीं हैं। सरकार के साथ बातचीत नहीं बनने के बाद पंजाब सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन (पीसीएमएसए) ने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला किया। एसोसिएशन ने सुबह 8 बजे से 11 सितंबर तक तीन घंटे के लिए बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) बंद रखने की अपील की। वहीं, सरकार ने डॉक्टरों से हड़ताल टालने की अपील करते हुए कुछ और समय मांगा है।

भोगो का दास सदा उदास क्योंकि धर्म नहीं है उसके पास : ब्रह्मचारी संदीप सरल जी

रायपुर (विश्व परिवार)। मालवीय रोड दिगंबर जैन बड़ा मंदिर जी में ब्रह्मचारी संदीप सरल जी श्रुतधाम बीना से हमारे बीच में दसलक्षण पर्व में पधारे हैं, उन्होंने संध्या कालीन प्रवचन देते हुए दो सूत्र दिए राग द्वेष मोह रहितोहं एवं क्रोध राग मान लोभ रहितोहं इस पर उन्होंने सभी को ध्यान भी कराया।

उन्होंने बताया कि सरलता से जीवन जीने में कठिनता से नहीं है इसलिए अपने नाम के पीछे भी मैंने सरल लिखना प्रारंभ किया, भैया जी ने बताया की कषायों के परिणाम अच्छे नहीं होते जब हमारे मन के मुताबिक चीजे नहीं होती तब हमारी कषाय भड़कती है जिसे आपने जीवन भर दूध पिलाया हो और वो समय आने पर तुम्हें पानी की न पूछे तो तुम्हारी कषाय भड़केगी उसी कषाय को जीत लेना उत्तम क्षमा धर्म है। भैया जी ने बतलाया कि राग और द्वेष दो कुत्ते हैं राग का कुत्ता हमें चांटता एवं द्वेष का कुत्ता हमारे ऊपर भौंकता है काटता है।

भैया जी ने कहा यदि घर को स्वर्ग बनाना हो, हृदय को स्वर्ग बनाना हो जीवन को स्वर्ग बनाना हूं तो तीन बातें अपने जीवन धारण करनी होंगी पहली गल्ति करो तो गल्ति को स्वीकार करना सीखो, दूसरी बात लड़ लो झगड़ लो परन्तु संवाद जारी रखो क्योंकि संवाद बंद करने से सुलह के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं तीसरी बात मीठा खाने मिले न मिले परन्तु मीठा बोलना सीखो क्योंकि मीठा बोलने से जीवन में मिठास बनी रहती है।

संक्षिप्त समाचार

तीजा मिलन समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री साय ने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के निवास में स्थापित भगवान गणेश की पूजा अर्चना की

रायपुर (विश्व परिवार)। तीजा मिलन समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा के निवास में स्थापित भगवान गणेश की पूजा अर्चना की। उन्होंने तीजा मिलन समारोह में उपस्थित माता बहनों को तीजा की शुभकामनाएं दीं। राजस्व मंत्री श्री वर्मा को इस अच्छे आयोजन के लिए बधाई दी। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने अतिथियों का अपने निवास में आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, पद्मश्री श्री अनुज शर्मा, श्री मोतीलाल साहू भी उपस्थित थे। तीजा मिलन समारोह में लोक कलाकार श्री महादेव हिरवानी और उनके दल के कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी लोक संगीत और संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम की प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व सांसद श्री सुनील सोनी ने भी तीजा मिलन में शामिल होकर माता बहनों को शुभकामनाएं दीं। बड़ी संख्या में माता बहनें इस अवसर पर उपस्थित हैं।

श्रीमती सोनी बाई सोनकर का निधन

रायपुर (विश्व परिवार)। लाखे नगर सोनकर पारा निवासी सोनी बाई सोनकर 97वर्ष का निधन हो गया वे मोहन सोनकर की माता एवं प्रेस फोटोग्राफर राजेश,राजीव सोनकर राजेंद्र सोनकर की दादी थी जिनका अंतिम संस्कार मंगलवार को 10 बजे महादेव घाट मुक्ति धाम के लिए निकलेगी।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की पहल पर इंडियन रेडक्रास सोसायटी के अधिकारी आजीवन सदस्य बने

राज्य गठन से अब तक थे रायपुर जिला इकाई में 55 सदस्य, कलेक्टर ने भी आजीवन संरक्षक सदस्यता पूर्व में ली, घंटेभर में 92 अधिकारी व कर्मचारी बने सदस्य

विद्यार्थियों के जाति, आय और मूल निवास प्रमाण-पत्र प्राथमिकता के साथ शिविर लगाकर बनाए

छात्रावास आश्रम अधीक्षक की परीक्षा सावधानीपूर्वक कराएं

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेडक्रास सोसायटी की रायपुर इकाई में राज्य गठन के बाद सदस्यता अभियान के तहत सर्वाधिक सदस्य बनाए गए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की पहल पर एक ही दिन में 71 अधिकारियों को आजीवन सदस्य बनाया गया। सर्वप्रथम कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप ने आजीवन संरक्षक सदस्यता ली। इसके अलावा 20 अधिकारी-कर्मचारियों ने वार्षिक और एक अधिकारी ने एसोसिएट आजीवन सदस्यता ली। कलेक्टर ने अधिकारियों से रेडक्रास के आजीवन सदस्य बनने का आग्रह करते हुए कहा कि रेडक्रास के माध्यम से हम मानव सेवा कर सकते हैं। यह संस्था आपदा के समय जरूरतमंद लोगों की मदद करती है। इसकी सदस्यता लेकर हमें भी ऐसे पुनीत कार्यों में सहयोग देना चाहिए। उनके आग्रह पर अधिकारियों ने बैठक के दौरान ही इंडियन रेडक्रास सोसायटी की आवेदन फार्म भरा और सदस्यता ली। साथ ही अन्य लोगों को रेडक्रास की सदस्यता लेने का आग्रह किया। कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक के दौरान कहा कि सभी ब्लॉक में जाति, आय, निवास प्रमाण-पत्र के लिए स्कूलों में शिविर लगाये जा रहे हैं। उनमें सभी पात्र विद्यार्थियों के प्रमाण-पत्र जल्द से जल्द बनाए। इन शिविरों में अन्य पात्र लोगों के भी उक्त प्रमाण बनाए जाए। सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी और राजस्व अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। बटांकन के लंबित प्रकरणों को तेजी से निपटारा किया जाए। डॉ. सिंह ने कहा कि राशन कार्ड के नवीनीकरण में तेजी लाएं और जो भी पात्र हितग्राही आवेदन करते है, उसका समय-सीमा के भीतर राशन कार्ड बनाए। साथ ही आयुष्मान कार्ड के लिए भी विशेष प्रयास किए जाए। मितानिनों के माध्यम से घर-घर सर्वे कराकर आयुष्मान कार्ड की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराए और जिनका कार्ड नहीं बना है उन्हें बनवाए।

लोहाणा महिला मंडल के सभी पूर्व अध्यक्षों का सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री गुजराती लोहाणा महिला मंडल के 21वें स्थापना दिवस के अवसर पर लोहाणा महिला मंडल के सभी पूर्व अध्यक्षों का सम्मान समारोह वर्तमान अध्यक्ष मीना बेन पुजारा की अध्यक्षता में सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में किया गया। शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुई। जिसके बाद मंडल की सभी पूर्व अध्यक्षों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंडल द्वारा डायरेक्टरी का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य रुप से मंडल की संस्थापक अध्यक्ष मीता बेन चतवाणी उपस्थित थे।

साथ में 2004 से 2025 तक के सभी पूर्व अध्यक्ष भी उपस्थित थे। जिनका सम्मान किया गया उनके नाम है इंदू बेन मजेठिया, वर्षा बेन मानिक, मीता बेन चतवाणी, क्षमा बेन मानिक, रेखा बेन रायचुरा, भावना बेन राणा, शोभा बेन खाखरिया, जयश्री बेन पारेख। सभी पूर्व अध्यक्षों की उपस्थिति में स्वर्गीय नलिनी बेन ठक्कर को 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के प्रायोजक भारती बेन पोपट का सम्मान नेहा बेन मानिक व् रश्मि बेन मिरानी का सम्मान मीना बेन पुजारा, ज्योतिबेन मजेठिया का सम्मान पूरी कमेटी द्वारा मोमेंटो देकर किया गया। रमाबेन चतवानी ने बताया कि कार्यक्रम में समाज के सभी सम्मानित पदाधिकारी और सभी सदस्य गण उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

-: ईश्तहार नामांतरण हेतु :-

क्रमांक/736/बाजार शाखा/न.पा./2024-25 बलौदाबाजार, दिनांक 19/07/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार क्षेत्र के अधिपत्य अधिकार के अंतर्गत मासिक किरायादार/पट्टेदार के नाम पर दर्ज निम्नलिखित नीचे दर्शित पं. दीनदयाल मार्केट चबुतरा दुकान क्र . 135 हस्तांतरणकर्ता के सहमति पर हस्तांतरिती के नाम पर हस्तांतरीत किये जानें एवं संसोधन कर अभिलेख नाम दर्ज किये जानें के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, उनके आवेदन पत्र विचारधीन है।

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम व पता	हस्तांतरित का नाम व पता	दुकान	हस्तांतरण का स्वरूप
1	2	3	4	5
01.	श्रीमती नुरजहॉ बेगम पिता- स्व. मो. हुसैन निवासी- बलौदाबाजार, तह.ब.बा. जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)	श्री दुर्गेश कुमार गुप्ता पिता- स्व. पुरूषोत्तम लाल गुप्ता निवासी- बलौदाबाजार, तह. व जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)	पं. दीनदयाल मार्केट चबुतरा दुकान क्रं.साईज 10x12=120 वर्गफीट	बिक्रीनामा

अत: उक्त नामांतरण के संबंध में हितबद्ध व्यक्ति, व्यक्ति समूह अथवा संस्था जिन्हे प्राप्त हो अथवा किसी प्रकार की आपत्ति या दावा हो तो वे अपनी आपत्ति या दावा की सूचना प्रकाशन के 30 दिन के अंदर लिखित में सप्रमाण अपने पक्ष के समर्थन में दस्तावेज अभिलेख/ प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि को संलग्न करते हुए एवं पैसे अन्य साक्ष्य जिन्हे वे अपनें आपत्ति या दावा को प्रमाणित करने के लिए प्रस्तुत करना पर्याप्त एवं उचित समझे की सूची के साथ प्रस्तुत कर सकतें हैं। 30 दिन के गणना में सूचना प्रकाशन का दिन भी सम्मिलित किया जावेगा यदि 30 दिन या उसके बाद लगातार अवकाश दिवस कार्यालय के लिए घोषित हो तो उसके पश्चात्वर्ती कार्यालयीन दिवस को ऐसे लिखित आपत्ति या दावा प्रस्तुत किय जा सकेगा, किन्तु अपूर्ण अथवा अस्पष्ट या तथ्य एवं प्रमाण रहित किसी आपत्ति या दावे पर विचार नहीं किया जावेगा तथा उसे बिना किसी लिखित पूर्व सूचना और बिना सुनवाई के नस्तीबद्ध कर दिया जावेगा एवं परिषद के निर्णय उपरांत नामांतरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार
बलौदाबाजार, दिनांक : 19/07/2024

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13808/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 09-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13808
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446P00166** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARILAL KATANKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. T.S. KATANKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SONALI JADWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI MANISH JADWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13657/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 09-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13657
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445D00513** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHOBHA DEV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NITYANAND DEO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI CHUNNI LAL UPADHYAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI AYODHYA PRASAD UPADHYAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13668/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 09-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13668
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445H0253A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DR. ASHOK KUMAR PATEL, APRANA PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. DEVNANDAN PATEL. ASHOK KUMAR PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI ADITYA KHANJAJI AND SMT. SURBHI JOSHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O DR. S.N. KHANJAJI AND W/O ADITYA KHANJAJI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13659/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 09-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13659
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446D00332** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KU. SABIYA NAAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHIN KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SARVANAND BALANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI ACHCHUMAL BALANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

छात्रावास अधीक्षक (श्रेणी-द) भर्ती परीक्षा 15 को

जगदलपुर (विसं। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 15 सितम्बर 2024 को बस्तर जिला मुख्यालय के साथ-साथ तहसील बस्तर, बकावंड, लोहण्डीगुडा, भानपुरी, नानगुर तौकापाल, बास्तानार, करपावंड के 114 परीक्षा केन्द्रों में छात्रावास अधीक्षक (श्रेणी-द) की भर्ती परीक्षा आयोजित किया जाएगा। जिसमें बस्तर जिले से 27, 848 परीक्षार्थी शामिल होगें। व्यापम द्वारा प्रवेश पत्र वेबसाईट में अपलोड कर दिये गये है, परीक्षार्थी व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की वेबसाईट से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्रमांक-06, रायपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 43/न.पा.नि./जोन क्र.-06/न.पा.नि./2024-25 रायपुर, दिनांक 05.09.2024

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 06 द्वारा निम्न कार्य हेतु निर्धारित SOR (निविदा दिनांक तक संशोधित) पर लोक कर्म विभाग से पंजीकृत ठेकेदारों (ई - रजिस्ट्रेशन डी एवं उससे ऊपर)/ फर्म एवं संस्था / एजेंसी से दो लिफाफा पद्धति के अनुसार (लिफाफा "अ" में निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं "ब" में निविदा प्रपत्र) सील बंद निविदा पृथक - पृथक आमंत्रित की जाती है।

संबंधित कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु निविदा हेतु दिनांक 19/09/2024 तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयीन अवधि में जमा किया जा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज दिनांक 26/09/2024 तक पंजीकृत डॉक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के माध्यम से कार्यालय से प्राप्त होना अनिवार्य है। दिनांक 27/09/2024 को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा आमंत्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है

क्र.	कार्य विवरण	निविदा का प्रकार	मद का नाम	अगणित राशि लाख में	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	एस.ओ.आर. की श्रेणी	समयावधि
01.	श. राजीव पाण्डेय वार्ड क्रं. 62 अंतर्गत रावनभाठा मैदान एवं फिल्टर प्लांट के सामने चेन लिंक फेंसिग का कार्य ।	प्रथम	सामान्य मद	9.79	7400.00	750.00	PWD BUILDING SOR 01.01.2015	2 माह

कार्य के निविदा हेतु संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है :-

लिफाफा "अ" में

(1) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ.डी.आर (निविदा खोलने तिथि तक वैद्य होना चाहिए) मूलप्रति । (2) प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता एवं काली सूची में न होने बाबत् शपथ पत्र संलग्न करें। (3) फर्म/एजेंसी के नाम का वैद्य पंजीयन की प्रति (4) बैंक साल्वेंसी की प्रति (5) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति (6) 3 वर्षों का ITR एवं निविदा तिथि से 3 माह पूर्व का GSTR की प्रति। लिफाफा **"ब"** में (1) निविदा प्रपत्र

शर्तें:- (1) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड़ पोस्ट से स्वीकार की जायेगी। (2) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी। (3) ठेकेदार / फर्म एवं संस्था के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी.एस.टी. विभाग से बकाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (Tax Clearance Certificate) अथवा पूर्ण देय कर जमा किए जाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-06
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./13745/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 09-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13745
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104C00194** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAMLAL DHRUWA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SAHAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LAXMI NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O RAJULAL NISHAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALBA BIKRI NAMAM, SAPATH PATRA**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./14349/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 09-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14349
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR235G00272** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **AKBARI KHATUM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KALIM AKHTAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद कलीम अख्तर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - युनुस अंसारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /14367/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 06-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14367
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C1062A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHISH GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KISHORE GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RUDRASHEKHAR SINGH THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEEGRIRAJ THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14155/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14155
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L489Y** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VASUDEV PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHIJMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GOUTAM KUMAR SULTANIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BAJRANG SULTANIA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 423 दिनांक 09.09.2024
वार्ड का नाम- गुरू घासीदास वार्ड
वार्ड क्र. 01 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 01 मांग **पंजी क्र. 711 युआईडी 10715** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **अश्वनी नारायण लेखराम/गयाराम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **गायत्री/दानी राम साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 424 दिनांक 09.09.2024
वार्ड का नाम- सुंदर लाल शर्मा
वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 20 मांग **पंजी क्र. 518 युआईडी 22409** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **लाजवंती रिझवानी / राजकुमार** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **इन्दुल कुमार साहू / बसावनराम साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 425 दिनांक 09.09.2024
वार्ड का नाम- कैलाश नगर
वार्ड क्र. 21 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 21 मांग **पंजी क्र. 29 युआईडी 22729** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **पुनुराम वर्मा/अवधराम वर्मा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **राखी देवी / प्रमोद कुमार साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **08-09-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी, **दोंदेखुर्द** में स्थित **सीनियर एल.आई.जी. भवन कमाक-486 श्रीमती उमा पनिकर पति श्री बजरंग प्रसाद पनिकर** को इस कार्यालय के आंबटन आदेश क्रमांक **9037 दिनांक 07.01.2010** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आवंटित किया गया है। आवंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 21.02.2011 को लीजडीड पंजीकत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है।

वर्तमान में **श्रीमती उमा पनिकर पति श्री बजरंग प्रसाद पनिकर निवासी-एम/10, सेक्टर-01. शापिंग काम्पलेक्स के समाने, अवंति विहार, रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा आवेदन पत्र, विकय इकरारनामा, शपथ पत्र तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर आंवटी द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्री रितुराज साहू पिता स्व.श्री नारायण साहू निवासी भालापुरी, जिला-मुंगेली (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त् भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय च अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तिय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 10 सितंबर 2024

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति श्री नरसिम्हा ने पर्यटन स्थल बुका का किया भ्रमण

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा भी रहे साथ

कोरबा(विश्व परिवार)। सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के न्यायाधीशन्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति श्री पामिदीघनतम श्रीनरसिम्हा द्वारा कोरबा के खूबसूरत पर्यटन स्थल बुका का भ्रमण किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा भी साथ रहे। सभी न्यायाधीशों ने बुका की मनोरम प्राकृतिक सौंदर्य का अवलोकन करते हुए यहां की मनोरम दृश्यों को करीब से अनुभव किया। बुका पर्यटन स्थल में छत्तीसगढ उच्च न्यायालय बिलासपुर के रजिस्ट्रार जनरल श्री बी. वर्मा, जिला सत्र न्यायाधीश कोरबा श्री सत्येंद्र कुमार साहू, कलेक्टर श्री अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी ने गुलदस्ता भेंटकर सभी न्यायाधीशों का स्वागत किया। वनमण्डलाधिकारी कटघोरा श्री कुमार निशांत ने बुका पर्यटन स्थल एवं जलाशय के बारे में जानकारी प्रदान की। पुलिस विभाग की टीम द्वारा न्यायाधीशों को सलामी भी दी गई। न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति श्री पामिदीघनतम श्रीनरसिम्हा सहित अन्य न्यायाधीशों द्वारा बुका पर्यटन स्थल में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने जामुन का पौधा रोपित किया। उन्होंने पौधे को समय समय पर खाद एवं सिंचाई प्रदान कर पौधे को संरक्षित रखने के लिए कहा। इसी प्रकार न्यायमूर्ति श्री पामिदीघनतम श्रीनरसिम्हा ने आंवला के पौधे का एवं मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कदम के पौधे का रोपण किया। इस दौरान सभी न्यायाधीशों ने बुका पर्यटन स्थल के नैसर्गिक सुंदरता के बीच जल विहार का आंनद लिया। उन्होंने यहां की खूबसूरती की तारीफ करते हुए कहा कि बुका चारों ओर से पहाड़ी से घिरा हुआ है, जलाशय में वर्ष भर जल भराव बना रहता है। जिससे यहां की मनमोहक छटा पर्यटकों का मन मोह लेता है।

ट्रक एवं कार भिड़ी

जशपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है. नेशनल हाईवे 43 पर तेज रफ्तार ट्रक और कार के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. घायलों को रांची रेफर कर दिया गया है. यह घटना सिटी कोतवाली के बालाछापर की है। जानकारी के अनुसार कार सवार लोग जनकपुर (मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) से रांची जा रहे थे, तभी नेशनल हाईवे 43 पर बालाछापर के पास कार को सामने से आ रही ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी. इस भीषण हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं कार में सवार अन्य चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं सभी घायलों को जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद रांची रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद ट्रक ड्राईवर मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है. जशपुर सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

बिजली गिरने से सात की दर्दनाक मौत

बलौदाबाजार-भाटापारा(विश्व परिवार)। बलौदाबाजार जिले के ग्राम मोहतरा में अकाशीय बिजली गिरने से 7 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई वहीं तीन लोग घायल हुए है7 बारिश के दौरान सभी लोग भीगने से बचने के लिए तालाब किनारे एक पेड़ के नीचे खड़े थे। इसी दौरान वे बिजली की चपेट में आ गये। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार 8 सितम्बर को दोपहर हुई तेज बारिश के चलते अंतर्गत ग्राम मोहतरा (लटुवा) में कुछ लोग बारिश से बचने के लिए नया तालाब किनारे पेड़ के नीचे खड़े हुए थे। इसी दौरान अचानक बिजली गिरी और सभी बिजली की चपेट में आ गये। इस हादसे में मौके पर ही 7 लोगों की मृत्यु हो गई तथा तीन अन्य लोग घायल है, जिन्हें उचित उपचार हेतु जिला अस्पताल बलौदाबाजार में भर्ती किया गया है। इस हादसे में मुकेश पिता राजन उम्र 20 वर्ष, टंकार पिता हेमलाल साहू उम्र 30 वर्ष, संतोष पिता महेश साहू उम्र 40 वर्ष, थानेश्वर पिता दाउ, साहू उम्र 18 वर्ष, पोखराज पिता दुखू विश्वकर्मा उम्र 38 साल देव पिता गोपाल दास उम्र 22 वर्ष तथा विजय पिता तिलक साहू उम्र 23 साल की मौत हुई है वहीं विशंभर पिता थनवार, बिट्टू साहू एवं चेतन साहू घायल हुए है।

भारतीय पशु बोर्ड नई दिल्ली के सदस्य राम के रघुवंशी ने किया केंदई गौशाला का अवलोकन

कोरबा(विश्व परिवार)। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड नई दिल्ली के सदस्य श्री राम के रघुवंशी ने आज केंदई गौशाला का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने गौमूत्र निर्माण और गोबर से उपयोगी उत्पाद के सम्बंध में गौशाला सदस्यों के साथ चर्चा की। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री राम के रघुवंशी द्वारा स्वामी भजानंद आश्रम स्थित गौशाला में पशुओं के प्रबंधन और संचालन को करीब से देखा और सदस्यों से इसके संबंध में जानकारी ली। उन्होंने आश्रम में स्थित वनवासी आश्रम का भी अवलोकन किया। इस दौरान उप संचालक पशु चिकित्सा एवं कल्याण श्री एस पी सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। पशु कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री रघुवंशी द्वारा जिला प्रशासन एवं जिले में स्थित गौशाला के अध्यक्षों एवम प्रबंधन समिति ,पशुधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक 9 सितंबर को 11 बजे कलेक्ट्रेट में रखी गई है जिसमे पशु कल्याण एवं पशु प्रबंधन पर चर्चा की जायेगी ।

देवरीखुर्द में कुत्तों का आतंक

बिलासपुर(विश्व परिवार)। देवरीखुर्द में पागल कुत्ते ने आतंक मचा रखा है. कुत्ते के हमले से अनेक बच्चे घायल हो गए हैं, जिनका सिम्स में इलाज किया जा रहा है. इनमें से एक बच्चे के सिर और हाथ में 20 से ज्यादा टांके लगे हैं. सिम्स प्रबंधन ने बच्चों का इलाज जारी रहने की बात कहते हुए सभी की स्थिति सामान्य बताई है.बीते दो दिनों से देवरीखुर्द क्षेत्र में पागल कुत्ते का आतंक फैला है. 5 व 6 सितंबर को घर के बाहर खेल रहे बच्चों पर एक कुत्ते ने हमला कर दिया. एक के बाद एक बच्चों को नोच कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया. आनन-फानन में परिजनों ने अपने बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया. पागल कुत्ते के दहशत से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है. घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन भी अलर्ट हो गए हैं।

12 वर्षीय बालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

जशपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है. एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही मृतक बच्चे के पिता ने उसे तम्बाकू खाने से मना किया था, जिससे वह नाराज चल रहा था. इसी बीच उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया. यह मामला बगीचा थाना क्षेत्र का है। जशपुर के पंडरापाठ चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत छिछलीरके खोमारापाठ गांव में एक 12 वर्षीय बालक ने अपने ही घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है. बालक गांव के ही प्राथमिक शाला में पांचवी कक्षा में पढ़ाई करता था. मृतक छात्र मुकेश घर के अंदर एक कमरे में रात को खाना खाकर अकेला सोया था. सुबह जब बालक नहीं उठा तो परिजनों ने उसे आवाज लगाया उसके बाद भी कमरे का दरवाजा उसने नहीं खोला. जिसके बाद किसी तरह से दरवाजा तोड़ा गया तो बालक फांसी पर लटका हुआ पाया गया. बालक कमरे के ही खिड़की में लगे लोहे की रॉड से फंदे पर लटका मिला. मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। मामले में परिजनों से पता चला है कि मृतक बालक को कुछ दिन पहले उसके पिताजी ने तम्बाकू खाने से मना किया था, जिससे बालक नराज था. फिलहाल बगीचा थाना क्षेत्र के चौकी पंडरापाठ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कटघोरा गणेश उत्सव समिति ने पंडाल को वृंदावन के प्रसिद्ध प्रेम मंदिर का स्वरूप दिया

कोरबा(विश्व परिवार)। गणेश चतुर्थी है, जिसे गणपति जी के जन्मोत्सव के रूप में जाना जाता है. गणेश चतुर्थी के साथ ही 10 दिनों तक देशभर में गणपति उत्सव की धूम रहेगी. गणपति पंडाल भव्यता से सजाए जा रहे, जिसमें विघ्नहर्ता की भव्य प्रतिमा स्थापित होगी. कोरबा जिले के कटघोरा जय देवा गणेश उत्सव समिति ने पंडाल को वृंदावन के प्रसिद्ध प्रेम मंदिर का स्वरूप दिया है, जो क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. कटघोरा के इस पंडाल को पिछले एक महीने से कोलकाता से आए 20 कारीगरों ने 3000 बांस और थर्माकोल से बनाया है. इस पंडाल में भगवान गणेश की 21 फीट ऊंची प्रतिमा विराजमान होगा, जो पुणे के दगडूसेठ हलवाई के रूप में हैं. इसके अलावा रूद्र रूप में हनुमान जी और राधा रानी कृष्णा की प्रतिमा विराजमान होंगे। गणेश उत्सव समिति के सदस्य संजय अग्रवाल ने बताया कि, थनौद के मूर्तिकार ने गणेश की प्रतिमा बनाई है. थनौद गांव के मिट्?टी के गणेश की पांच राज्यों में मांग रहती है. भिलाई से 25 किमी दूर स्थित शिल्पग्राम थनौद की आबादी करीब तीन हजार है. पूरे गांव का मुख्य पेशा मिट्टी के गणेश बनाना है. यह काम पिछले पांच पीढ़ियों से जारी है. यहां मिट्टी के गणेश की डिमांड इस बार बढ़ी है. यहां के कलाकारों का कहना है कि कटघोरा का राजा पुणे के स्वरूप दगडूसेठ हलवाई का अंतिम रूप दिया गया है. यह मूर्ति छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी बनाई गई है।

सिम्स में कलेक्टर अवनीश ने की मौसमी बीमारियों के इलाज की समीक्षा

बिलासपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर अवनीश शरण ने सिम्स अस्पताल में बैठक लेकर मौसमी बीमारियों के संक्रमण और इलाज व्यवस्था की समीक्षा की। डॉक्टर और अधिकारी इस दौरान उपस्थित थे। उन्होंने स्वाइन फ्लू अथवा अन्य कोई भी मौसमी बीमारी के लक्षण पर अस्पताल पहुंचने को कहा है। अस्पताल में इलाज की सभी तैयारियां पुख्ता रखी गई हैं। कलेक्टर के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ. प्रभात श्रीवास्तव ने अपोलो निजी अस्पताल का निरीक्षण किया। स्वाइन फ्लू का इलाज करा रहे मरीजों से भेंट कर उनका हाल चाल जाना। उन्होंने स्वाइन फ्लू के मरीजों के मेडिकल विशेषज्ञ से बैठक कर जांच और उपचार के संबंध में जानकारी ली। अस्पताल में 10 बेड का पृथक आईसोलेशन वार्ड एवं 6 बिस्तर का आईसीयू सुविधा उपलब्ध है। माह जुलाई एवं अगस्त में कुल 8 जिले के 34 मरीजों का उपचार किया गया। अभी 8 मरीजों का उपचार जारी है, जिसमे 2 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। सिम्स में जिला कलेक्टर व निगम आयुक्त ने सीएमएचओ के साथ भ्रमण कर व्यवस्था हेतु बैठक ली गई। सिम्स में 10 बेड का पृथक एवं 4 बेड का आईसीयू उपलब्ध है। केवल 1मरीज फिलहाल भर्ती है। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बचाव हेतु अन्य बीमारियों से ग्रस्त (कोमारबीड) व्यक्तियों को भीड़ में नही जाने तथा सर्दी खासी बुखार पर चिकिसकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई। सीएमएचओ ने बताया कि स्वाइन फ्लू से केवल कोमारबीड मरीजों की मृत्यु हुई है। अर्थात उन्हें पहले से डायबिटीज, हाइपर टेंशन, कार्डियक डिजीज, कैंसर और किडनी संबंधी बीमारी भी थी और उसके बाद फ्लू का संक्रमण हुआ।

सचिव कौशिक ने की न्यायाधीश की अवहेलना अनाधिकृत अनुपस्थिति पर नोटिस

कोरबा(विश्व परिवार)। जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा के ग्राम पंचायत तानाखार के सचिव मोहनचंद कौशिक को कर्तव्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। बता दें कि श्री कौशिक, सचिव संघ छग के प्रदेश उपाध्यक्ष और कोरबा के कार्यकारी जिलाध्यक्ष भी हैं। जारी नोटिस में लेख है- प्राय: देखा गया है कि आप ग्राम पंचायत में अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहते है। दिनाँक 07ध09ध2024 को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का बुका आगमन तय था जिसकी सूचना पूर्व में दी गई थी, जिसमें मुख्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित किया गया था, किन्तु आप ग्राम पंचायत मुख्यालय में अनुपस्थित पाये गये एवं संपर्क करने पर आपका मोबाईल बंद होना पाया गया। आप बिना पूर्व सूचना के अपने कर्तव्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे, आपका उक्त कृत्य उच्च अधिकारी के आदेश ध् निर्देश का अवहेलना करना एवं शासकीय कार्य में रूचि नहीं लेना कर्तव्य के प्रति लापरवाही है एवं कदाचरण की श्रेणी में आता है। उक्त संबंध में आप अपना स्पष्टीकरण 24 घंटे के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। स्पष्टीकरण संतोष जनक नही होने ध् समय से न देने की स्थिति में यह मानते हुए कि आपको अपने संबंध में कुछ नही कहना है। छ.ग. पंचायत एवं सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 के विपरीत है।

कोरबा के रेल सुविधाओं को लेकर जनता परेशान

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रतिवर्ष 2000 करोड़ का राजस्व देने वाले कोरबा की उपेक्षा रेल सुविधा देने के मामले में काफी समय से की जा रही है। कोविड के समय से कई गाडियां अलग-अलग कारण बताकर बंद कर दी गई है जो कोरबा और गेवरारोड से चला करती थीं। इसके चक्कर में यात्री परेशान हैं। इधर रेलवे अधिकारी लिखित रूप से बता रहे हैं कि रेलगाडियां बंद करना जोन का अधिकार है लेकिन नई गाडियों का विस्तार और प्रचालन से जुड़ा विषय रेल मंत्रालय का है। इस बारे में हम कुछ नहीं कर सकते। उपमुख्य परिचालन प्रबंधक (यात्री एवं फाइन) एसईसीआर बिलासपुर के द्वारा एक पत्र के माध्यम से चेम्बर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष व रेल संघर्ष समिति के संयोजक रामकिशन अग्रवाल को दी गई है। उन्होंने पत्र के माध्यम से कोरबा में रेल सुविधाओं को लेकर जानकारी चाही थी। कोरबा से बीकानेर ट्रेन संचालन को लेकर बताया गया कि यात्रियों के आवागमन के लिए बिलासपुर से बीकानेर के मध्य 4 गाडियां और बिलासपुर-कोरबा के मध्य 10 गाडियां सीधी प्रदान कर रही है। कोरबा के यात्रियों को बीकानेर आवागमन के लिए बिलासपुर से कनेक्टीविटी उपलब्ध है। बीकानेर स्टेशन दूसरे जोन के क्षेत्र में है इसलिए वहां से जुड़ी सुविधा पर हम कुछ नहीं कर सकते। रेलवे ने यह भी बताया कि कोरबा-राउरकेला के बीच इंटरसिटी एक्सप्रेस का संचालन करना नीतिगत विषय है जो रेल मंत्रालय के अधीन है। यात्रियों के आवागमन के लिए राउरकेला-चांपा के मध्य 32 गाडियां उपलब्ध हैं। चेम्बर ने मांग रखी थी कि 17481, 17482 तिरूपति-बिलासपुर को कोरबा तक बढ़ाया जाए, जिस पर रेलवे का कहना है कि कोरबा में प्लेटफार्म और स्टेबलिंग लाइन की कमी है इसलिए विस्तार असंभव है।

घर में नल का लगा कनेक्शन, दूर हुआ नाला जाने का टेंशन

अब किस्मत को नहीं कोसती पहाड़ी कोरवा हीरा बाई..

कोरबा(विश्व परिवार)। पहाड़ी कोरवा हीरा बाई को वह दिन आज भी भलीभांति याद है,जब एक मटके पानी के लिए उन्हें घर से बाहर जंगल की ओर रूख करना पड़ता था। पानी की यह जद्दोजहद उन्हें इस तरह परेशान किया करती थी कि वह अपनी किस्मत को कोसते हुए कुछ दूर जंगल पर स्थित नाले में जाती थी और वहाँ से पानी लाकर घर का जरूरी काम निपटाती थी। एक दिन उसके गाँव से होकर पक्की सड़क बनी,लेकिन पानी के लिए उम्मीद लगाई हीरा बाई को पहले जैसे ही समस्याओं के बीच दिन काटना पड़ा। न पानी की व्यवस्था हुई, न नल का कनेक्शन मिला। वह अपने छोटे बच्चों को लेकर नाला जाती और वहीं खतरों के बीच नहलाती थी। अब जबकि घर के पास ही सोलर ड्यूल पम्प लग गया है और घर में ही नल का कनेक्शन मिल गया है तो पहाड़ी कोरवा हीरा बाई अपनी किस्मत को नहीं कोसती। वह कहती है कि नल कनेक्शन लगने और पानी घर पर आने से उसे नाला जाना नहीं पड़ता। घर पर ही नल से बहती धार से पानी मिल जाती है। इससे उसकी पानी को लेकर बनने वाली टेंशन दूर हो गई है। कोरबा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम कोराई में रहने वाली पहाड़ी कोरवा हीरा बाई का बड़ा परिवार है। वर्षो से वे सभी जंगल के करीब रहते आए हैं। लंबे समय से नालों का पानी पीते आए इस पहाड़ी कोरवा परिवार को अपने घर के पास सोलर ड्यूल पम्प के माध्यम से नल लग जाने से बहुत राहत मिली है। पहाड़ी कोरवा हीरा बाई ने बताया कि घर के सभी सदस्य अब घर के नल से ही पानी पीते हैं। घर में अन्य छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी पानी उपयोग में आता है। उन्होंने बीते हुए दिनों की समस्याओं को बताते हुए कहा कि नल नहीं लगने से पहले उनकी जिंदगी कठिनाई के बीच कटती थी। सबसे ज्यादा समस्या पानी को लेकर ही बना रहता था। सुबह होते और शाम ढलने से पहले तक नालों का चक्कर काटना पड़ता था। बारिश के दिनों में नाले से पानी लाना और भी कठिन बन जाता था, क्योंकि नाला उफान पर होने के साथ पानी गन्दा भी हो जाता था। हीरा बाई ने बताया कि जब से सोलर पम्प लगा है उनके साथ ही गाँव के अन्य महिलाओं की बड़ी समस्या दूर हो गई है। उन्हें नल से साफ पानी मिलने के साथ नाले तक दौड़ नहीं लगानी पड़ती। उन्होंने जल जीवन मिशन से घरों तक पहुँचने वाले नल कनेक्शन और पानी की उपलब्धता को दूर दराज में रहने वाले ग्रामीणों के लिए वरदान बताया।

संपादकीय

चीन से कारोबार को लेकर चिंता

ये तथ्य सचमुच बेतुका लगता है कि भारत में 95.8 फीसदी छातों और 92 प्रतिशत कृत्रिम फूलों की आपूर्ति चीन करता है। ये वो उत्पाद हैं, जिन्हें बनाने के लिए ना तो ज्यादा पूंजी की जरूरत है और ना ही किसी खास तकनीक या कौशल की। भारत के विदेश व्यापार के बारे में इस वर्ष के पहले छह महीनों के बारे में सामने आई जानकारी से स्पष्ट है कि चीन से कारोबार को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। जो परिस्थितियां हैं, उनके रहते चीन से व्यापार घाटा पाटने की कोई गुंजाइश नहीं दिखती। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) नाम की संस्था ने इस कारोबार का बारीक विश्लेषण पेश किया है। उसने कहा है कि चीन से हो रहे आयात से भारत के सूक्ष्म, लघु एव मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को क्षति पहुंच रही है। छातों, खिलौनों, कुछ प्रकार के वस्त्र, संगीत उपकरणों आदि की देश में होने वाली कुल खपत में आधे से ज्यादा हिस्सा चीनी आयात का है। तो सवाल वाजिब है कि फिर भारतीय छोटे उद्यम कैसे आगे बढ़ेंगे? जीटीआरआई ने कहा है- %चीनी उत्पाद इतने सस्ते हैं कि भारतीय एमएसएमई के लिए उनसे प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो जाता है। उन्हें अपने को बचाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।' ये तथ्य सचमुच बेतुका लगता है कि भारत में उपयोग होने वाले 95.8 फीसदी छातों और 92 प्रतिशत कृत्रिम फूलों की आपूर्ति चीन करता है। ये तमाम वो उत्पाद हैं, जिन्हें बनाने के लिए ना तो ज्यादा पूंजी की जरूरत है और ना ही उसमें किसी खास तकनीक या कौशल की जरूरत पड़ती है। इन क्षेत्रों में भारतीय उद्यम नहीं फले-फूलेंगे, तो फिर हाई टेक क्षेत्रों में भारतीय उद्यमी क्या कर पाएंगे? इस वर्ष के पहले छह महीनों में भारत ने चीन से 50.4 बिलियन डॉलर का कुल आयात किया। इसी दौर में व्यापार घाटा 41 बिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच गया। भारत के पूर्व नौकरशाहों के थिंक टैंक जीटीआरआई ने कहा है कि भारत को मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में गहरा निवेश करना चाहिए, ताकि चीन पर देश की यह निर्भरता घटाई जा सके। यह कोई नया सुझाव नहीं है। सवाल है कि ऐसा आज तक क्यों नहीं किया गया और आगे ऐसा हो सकने की क्या संभावना है?

कुकी विवाद पर शेख हसीना का रहस्योद्घाटन

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

अमेरिका चीन और भारत दोनों पर नजर रखना चाहता है। चीन भी आर्थिक क्षेत्र में अमेरिका को टक्कर देने की दिशा में बढने का प्रयास कर रहा है। लेकिन भारत का मामला उससे भी पेचीदा है। यह ठीक है कि अमेरिका और भारत की किसी स्तर पर भी समानता नहीं है, लेकिन आज अमेरिका समेत पूरे यूरोप में जो 'सभ्यताओं का संघर्ष' चला हुआ है उसमें भविष्य में भारत का पलड़ा भारी हो सकता है। इसलिए अमेरिका को राजनीतिक रूप से अस्थिर भारत अनुकूल लगता है। पिछले एक दशक से भारत की राजनीतिक स्थिरता और बहुमत की सरकार सामी सभ्यताओं वाले अमेरिका की आंख की किरकिरी थी। उसे बीसियों विचारधाराओं के दलों की खिचड़ी सरकारें अनुकूल लगती हैं मणिपुर में मैतेयी और कुकी समुदाय का विवाद काफी लम्बा खिंचता जा रहा है। कुकी विद्रोहियों के हाथ में लूटपाट से भारी मात्रा में हथियार जमा हो गए हैं जिसके कारण हिंसा थम नहीं रही है। अभी तक इस विवाद को स्थानीय विवाद समझ कर विपक्ष हल्ला गुल्ला करता रहता है। लेकिन पिछले दिनों बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कुछ स्पष्ट बातें कही थीं जिसकी दुनिया भर में चर्चा हो रही थी। उनका कहना था कि अमेरिका ने बांग्लादेश में कुछ देश विरोधी ताकतों को उनके पद से हटाया है। लेकिन उनके अनुसार अमेरिका बांग्लादेश से सेंट मार्टिन नामक टापू लीज पर मांग रहा था और वह ऐसा करने के लिए तैयार नहीं थीं। इसलिए अमेरिका ने सारी साजिश रची। शेख हसीना के इस रहस्योद्घाटन की देश-विदेश में खूब चर्चा हुई। लेकिन इसके साथ पूर्व प्रधानमंत्री ने एक दूसरा रहस्योद्घाटन भी किया। उसके अनुसार अमेरिका चिटगांव, भारत के कुकी बहुल इलाकों और म्यांमार के कुकी बहुल काचिन प्रदेश को मिला कर पूर्वोत्तर भारत में एक ईसाई देश का गठन करने का प्रयास कर रहा है। आश्चर्य है कि विदेशी मीडिया ने शेख हसीना के इस पर्दाफाश की अवहेलना की, लेकिन उससे भी बड़ा आश्चर्य यह है कि भारत का मीडिया भी इस विषय पर एकदम से खामोशी का शिकार हो गया। पूर्वोत्तर भारत के कुकी बहुल इलाके कौनसे हैं? उनमें सबसे पहले तो मणिपुर का विशाल पर्वतीय क्षेत्र है जहां कुकी समुदाय का बाहुल्य है। मणिपुर का पड़ोसी प्रदेश मिजोरम है। मिजोरम के निवासी 'जो' भी कुकी समाज का हिस्सा ही माने जाते हैं। इसका अर्थ हुआ कि मिजोरम और मणिपुर में मैतेयी बहुल इम्फाल घाटी को छोडक़र शेष सारा मणिपुर कुकी समुदाय का इलाका माना जाता है। मिजोरम और मणिपुर के पड़ोस में म्यांमार लगता है। म्यांमार का काचिन प्रदेश कुकी बहुल प्रदेश है। इस काचिन प्रदेश को म्यांमार से अलग करने के लिए विद्रोही समय समय पर आघात करते रहते हैं। मणिपुर में कुकी विद्रोह से पहले म्यांमार का काचिन प्रदेश विद्रोहियों के कब्जे में आ गया था। उसके बाद ही मणिपुर में गड़बड़ शुरू हुई। दरअसल म्यांमार में पहाड़ी क्षेत्र में पिछले कई सालों से अलगाववादी आंदोलन चल रहा है। पहाड़ी क्षेत्र में अंग्रेजों के शासन काल में ही विदेशी ईसाई मिशनरियां सक्रिय हो गई थीं। अब तक उन्होंने पूरे पहाड़ी क्षेत्र की जनजातियों को मतांतरित करके ईसाई बना लिया है। इन मतान्तरित क्षेत्रों में चिन/कुकी बहुल चिन प्रदेश भी शामिल हैं। वहां से कुकी निरन्तर मणिपुर में आते जाते रहते हैं। पूर्व की कांग्रेस सरकार ने सत्ता गंवाने से ठीक पहले कुकी बहुल क्षेत्र की पहचान को पुख्ता व स्पष्ट स्थापित करने के लिए पूरे मणिपुर का नक्शा ही बदल दिया था। उसने अनेक जिलों को इस प्रकार विभाजित किया ताकि कुकी बहुल जिलों का निर्माण किया जा सके। इसी प्रकार बंग्लादेश के चिटागांव से कुकी विद्रोही आघात प्रत्याघात करते रहते हैं। इसमें एक दूसरा तथ्य भी ध्यान में रखना होगा। मिजोरम, मणिपुर, चिटागांव और म्यांमार के चिन प्रदेश के कुकी शत-प्रतिशत अपनी विरासत छोडक़र ईसाई मत में जा चुके हैं। मणिपुर-मिजोरम-चिटगांव-चिन क्षेत्र के कुकी समाज को कुकी-जो-चिन के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल अंग्रेज भारत से जाने के पहले 1947 में ही भारत को घेरने की योजना पर काम कर रहे थे। पूर्वोत्तर भारत में एक ईसाई देश बनाने की योजना थी जिसे कूपलैंड योजना कहा जाता था और पश्चिमोत्तर भारत में एक मुसलमान देश बनाने की योजना थी जिसे जिन्ना योजना कहा जाता था। जिन्ना योजना तो पश्चिमोत्तर भारत की राजनीति का हिस्सा बन गई, लेकिन कूपलैंड योजना में अभी ब्रिटिश साम्राज्यवादी रंग भर ही रहे थे कि द्वितीय विश्व युद्ध का अन्त हो गया और अंग्रेजों को इस योजना को अधूरी छोड़ कर जाना पड़ा। असम के उस समय के राज्यपाल राबर्ट नायल राईड्स ने 1941 में ही शिलांग की एक गोपनीय बैठक में इस योजना का खुलासा करते हुए कहा था कि 'बर्मा के काचिन क्षेत्र और भारत के पूर्वोत्तरीय पहाड़ी क्षेत्र को अलग करके ऐसा नया देश बनाने की योजना है जिस पर इंग्लैंड का शासन हो।' अंग्रेज जानते थे कि जिन्ना योजना से पैदा होने वाले देश पाकिस्तान पर वे प्रत्यक्ष शासन नहीं कर पाएंगे। वहां तो रणनीतिक सांझेदारी ही हो सकती है। लेकिन बर्मा और भारत के एक हिस्से को काट कर बनाए गए नए ईसाई देश को वे अपना उपनिवेश बना सकेंगे। लेकिन भारत की पूर्वोत्तर सरहद पर नया देश बनाने की इच्छा पूरी होने से पहले ही अंग्रेजों को यहां से जाना पड़ा। अब इस पृष्ठभूमि में शेख हसीना का रहस्योद्घाटन चौंकाता कम चिन्तित ज्यादा करता है। सबसे पहले तो यहीं से शुरू करना होगा कि लगभग एक दशक पहले कांग्रेस सरकार ने मणिपुर में कुकी क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए नए जिले क्या कुकी क्षेत्रों को मणिपुर से अलग करने के लिए ही गठित किए थे? इसमें तो कोई शक नहीं कि बर्मा के काचिन क्षेत्र में कुकी समुदाय के लोगों को ईसाई बनाने के काम में लगी मिशनरियों को अमेरिका से धन ही नहीं, अन्य प्रकार की सहायता भी मिल रही है। लेकिन एक प्रश्न जरूर पूछा जा सकता है कि अमेरिका को इस नए ईसाई देश से क्या फायदा होगा? जिस प्रकार अन्तरराष्ट्रीय राजनीति में बदलाव होता रहता है, उसी परिप्रेक्ष्य में विभिन्न देशों के स्वार्थ और रिश्ते बदलते रहते हैं। आज अमेरिका चीन और भारत दोनों पर नजर रखना चाहता है। चीन भी आर्थिक क्षेत्र में अमेरिका को टक्कर देने की दिशा में बढने का प्रयास कर रहा है। लेकिन भारत का मामला उससे भी पेचीदा है। यह ठीक है कि अमेरिका और भारत की किसी स्तर पर भी समानता नहीं है, लेकिन आज अमेरिका समेत पूरे यूरोप में जो 'सभ्यताओं का संघर्ष' चला हुआ है उसमें भविष्य में भारत का पलड़ा भारी हो सकता है। इसलिए अमेरिका को राजनीतिक रूप से अस्थिर भारत अनुकूल लगता है। पिछले एक दशक से भारत की राजनीतिक स्थिरता और बहुमत की सरकार सामी सभ्यताओं वाले अमेरिका की आंख की किरकिरी थी। उसे बीसियों विभिन्न विचारधाराओं के दलों की खिचड़ी सरकारें अनुकूल लगती हैं जिनसे आसानी से स्वार्थ सिद्धि की जा सकती है। इस लम्बी योजना में भारत के पूर्व में ईसाई देश अमेरिका के लिए हितकारी हो सकता है। 1947 में भारत के पश्चिम में बनाया गया पाकिस्तान आज तक अमेरिका के हितों की प्रत्यक्ष-परोक्ष स्वार्थ सिद्धि कर ही रहा है। जब पाकिस्तान (बांग्लादेश समेत) अमेरिकी हितों से कन्नी कतराने की कोशिश करता है तो अमेरिका वहां की सरकारें बदल देता है। नए ईसाई देश की योजना के अमेरिकी षड्यंत्र को शेख हसीना के इस कथन को ध्यान में रखते हुए देखना होगा। कुकी व मैतेयी समुदायों की आपस में बातचीत से मणिपुर समस्या हल होगी।

आलेख

बलात्कार के दोषी को फांसी की सजा

विजय तिवारी

आजकल एक हवा चली है कि कोई भी आपराधिक घटना हो जाए और मामला किसी पार्टी या संगठन से जुड़े व्यक्ति का हो तो तुरंत ही चक्काजाम या थाने का घेराव होना लाज़मी है ! और मामला बलात्कार का हो या लड़की को अगवा करने का हो तब तो फौरी इंसाफ की बात होती है। मामला यह हो जाता है कि आरोपी को भीड़ अपराधी घोषित कर देती है। भले ही कोई सबूत हो या ना हो ! इसमें राजनेताओं और राजनीतिक पार्टियों की भी भूमिका कम नहीं, वे भी आग में घी डालने का काम करते हैं, बशर्ते सरकार उनके विरोधी की हो। जैसा कि बंगाल के कलकत्ता में हुआ। हालत इतने उलझ गए कि बंगाल की विधानसभा में ममता सरकार ने एक कानून ही पारित कर दिया कि बलात्कार के दोषी को फांसी की सजा दी जाए। अब सरकार में विधि सचिव की बुद्धि और ज्ञान सब कुछ मंत्री के आदेश के सामने लाचार हो गए। दिल्ली में हुए निर्भया कांड में भी जनता ने (राजनीतिक दलों नहीं लेने दिया गया था) ऐसी ही मांग रखी थी। केंद्र ने भी जनता की मांग पर सुप्रीम कोर्ट के सेवा निव्रत प्रधान न्यायाधीश वर्मा की अध्यक्षता मे एकल सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था। उन्होंने अपनी सम्मति में लिखा था कि आरोपी के लिए निर्धारित प्रक्रिया से ही अपराधी घोषित किया जा सकता है, तब ही उसे सजा दी जा सकती है। निर्भय कांड मे दोषियों को सजा फांसी सालों बाद दी जा सकी। लिखने का तात्पर्य यह है कि दोषियों की गिरफ्तारी और जल्दी सुनवाई की मांग तो की जा सकती है और उसे सरकार पूरा भी कर सकती है, पर सरकार किसी भी कानून द्वारा आरोपी को सजा नहीं दे सकती। अब यह स्थिति सभी राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को मालूम भी होती है, परंतु राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए वे अपने भाषणों में आरोपियों को तुरंत लटकाये जाने की मांग करते रहते हैं। अब ऐसे नेताओं से कौन पूछे कि किस विधि से आंदोलनकारियों की मांग को तुरंत पूरा किया जा सकता है ? वे कभी भी इस सवाल का जवाब नहीं दे पाएंगे। क्यूंकि भारत में न्याय की एक प्रक्रिया है जो सभी देश के नागरिकों पर लागू होती है। अदालत के 4 चरण होते है, पहला मजिस्टरेयत फिर सेशन कोर्ट तब हाई कोर्ट और अंत में सुप्रीम कोर्ट। सेशन कोर्ट दोषों को फांसी की सजा सुना तो सकता है परंतु उस पर मुहर हाई कोर्ट को लगाना जरूरी है। अर्थात हाई कोर्ट तक मामले की सुनवाई तो होगी ही। अब आंदोलनकारियों की मांग को पूरा करने के लिए इन अदालतों को सभी काम छोड़कर उस एक मामले की सुनवाई के लिए तैयार बैठे ! ऐसा हो नहीं सकता क्यूंकि यह संभव ही नहीं असंभव ही है। तब बार क्यू दोषी को तुरंत फांसी देने का आश्वासन और कानून ? सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ओक ने अभी अपने एक भाषण में कहा भी है कि भीड को तुरंत न्याय देने के बयान बिल्कुल गलत है। यह न्याय प्रक्रिया को चोट पँहुचाते हैं। तो यह है सुप्रीम कोर्ट की रॉय। हाँ हरियाणा में पाँच युवकों ने जिन्हे गौ रक्षक बताया जा रहा है उन्होंने एक कार में सवार परिवार पर इसलिए गोलियां बरसा कर एक युवक की हत्या कर दी, क्यूंकि उनके अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि कर में गौ तस्कर घूम रहे हैं। इसलिए उन्होंने कार का पीछा कर के चलती कार पर गोली वर्षा कर दी ! अब दो सवाल है कि यह गौ तस्कर क्या होते हैं ? दूसरे गए की तस्करी किस प्रकार की जा सकती है ? हरियाणा की हिंदुवादी सरकार का रिकार्ड काफी खराब रहा है, गाय के परिवहन को गाय की तस्करी बता कर मुस्लिम लोगों को मारने -पीटने और यंहां तक कि उनकी हत्या करने का भी मामला चल चुका है। जब राजस्थान के चार मुस्लिम ग्वालों को पीट -पीट कर मारने का। अदालत में इस मुकदमे में हरियाणा सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। यंहा सवाल यह है कि पुलिस को तो पूछने का जांच करने का अधिकार है पर इन गौ भक्तों को किसी की तलाशी लेने या पूछने का अधिकार कहां से मिल गया। जरूर ही सरकार की शह पर पुलिस को पंगु बना कर विधि के राज को असफल करने का मामला हैं।

पार्टियों की लड़ाई लोग भोग रहे नर्क.....

अजीत द्विवेदी

जिन लोगों को स्वर्ग और नर्क की अवधारणा में यकीन है या जिन लोगों ने गरुड़पुराण पढ़ा या सुना है उनको पता होगा कि नर्क कैसा होता है। वहां मवाद और खून की नदियां बहती हैं, खाने और पीने को कुछ नहीं मिलता है, विशाल आकार के दूत कोड़े और मुगदर से मारते हैं, कहीं आग से जलाया जाता है तो कहीं खौलते तेल की कड़ाही में डाल दिया जाता है आदि आदि। अगर सचमुच धरती से 99 सहस्त्र योजन दूर स्थित नर्क ऐसा ही है तो उसे देखने के लिए वहां जाने की कोई जरुरत नहीं है। दिल्ली के लोग खुश हो सकते हैं कि वे धरती पर ही उसके दर्शन कर रहे हैं। यहां यमुना नाम की एक पवित्र नदी है, जिसमें लगभग पूरे साल पानी नहीं होता है लेकिन दिल्ली की सड़कों पर बने बड़े बड़े गड्ढों में बारिश के पानी की नदियां बहती रहती हैं और उनमें डूब कर लोग मरते रहते हैं। इमारतों की बेसमेंट में भी बारिश के पानी की नदियां बहती हैं और उनमें भी डूब कर लोग मर जाते हैं। कहीं बेतरतीब बनी इमारतों में आग लग जाती है, जिससे लोग जल कर मर जाते हैं तो कहीं राह चलते करंट लग जाता है और लोग मर जाते हैं। यहां यमराज के दूत दुकानों पर सरेआम गोलियां चलाते हैं और करोड़, दो करोड़, पांच करोड़ की फिरौती की मांग करके जाते हैं। राह चलते झगड़े हो जाएं और लोग एक दूसरे का खून कर दें, यह तो बहुत सामान्य सी बात है। इसी तरह गाड़ियों के नीचे कुचल कर लोगों का मर जाना भी बड़ी स्वाभाविक घटना है। जरा सी बारिश होती है तो सड़कों पर इतना पानी जमा हो जाता है और रोड ओवर ब्रिजेज के नीचे ऐसी नदियां बहने लगती हैं कि सड़कों पर ट्रैफिक पूरी तरह से रूक जाता है। लोग घंटों गाडियों में बैठे रहते हैं। कायदे से बारिश के दिन में तो लोगों को अपनी गाडियों में कई दिन के खाने पीने की चीजें लेकर ही निकलना चाहिए। दिल्ली के एक पुराने रहवासी ने पिछले दिनों अपने इलाके में जलभराव और ट्रैफिक जाम को लेकर सोशल मीडिया में लिखा कि उनके इलाके में तो ठीक से ओस गिर जाए तो पानी जमा हो जाता है। असल में ऐसा दिल्ली के कई इलाकों में होता है। सोचें, हमलोगों के पूर्वजों ने कहा कि, %ओस चाटने से प्यास नहीं बुझती' और यहां ओस की वजह से ट्रैफिक जाम करने लायक जलभराव हो रहा है! यह अलग बात है कि प्यास बुझाने लायक पानी के लिए दिल्ली के लोगों को बड़ी मशक्कत करनी होती है। ज्यादातर समय पानी की किल्लत बनी ही रहती है। कानून व्यवस्था का एक बड़ा संकट पहले से मौजूद है। बिहार और उत्तर प्रदेश में अब गैंगवार की खबरें कम आती हैं लेकिन दिल्ली में भाऊ गैंग, काला जठेड़ी गैंग, बवाना गैंग, बिश्नोई गैंग, बरार गैंग, हाशिम गैंग, बम्बिहा गैंग, कराला गैंग, टिल्लू गैंग, ठकठक गैंग, नमस्ते गैंग जैसे दर्जनों गैंग्स के बारे में रोज सुनने को मिलता है, जिनका शिकार बनने के लिए दिल्ली के लोग अभिशप्त हैं। अनेक गैंग तो दिल्ली के तिहाड़ जेल से ही संचालित हो रहे हैं। अभी बारिश, जलजमाव और ट्रैफिक की समस्या का समया है, थोड़े दिन के बाद प्रदूषण का समय आ जाएगा। तब लोगों का दम घुट रहा होगा और भाजपा व आम आदमी पार्टी के लोग एक दूसरे पर आरोप लगाने में लगे रहेंगे। सवाल है कि देश की राजधानी, जहां राष्ट्रपति भवन है, जहां प्रधानमंत्री रहते हैं, देश के 140 करोड़ लोगों के सारे भाग्य विधाता रहते हैं और दुनिया के भर के देशों के राजदूत व उच्चायुक्त रहते हैं वह नर्क में कैसे तब्दील हो गई? दिल्ली के उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की मानें तो इसे दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने नर्क बनाया है। उन्होंने अंग्रेजी के एक अखबार में लेख लिख कर यह बात कही है। हालांकि उन्होंने अपने लेख में जो विषय उठाएं हैं उनको छोड़ कर ज्यादा चर्चा इस बात पर हो रही है कि उप राज्यपाल होकर वे दिल्ली की चुनी हुई सरकार के बारे में ऐसा लिख सकते हैं या नहीं? इस बहस में उनके उठाए मुद्दे, जो सीधे दिल्ली की जनता से जुड़े हैं वे हाशिए में चले गए। बहरहाल, उप राज्यपाल का यह विचार है तो दूसरी ओर चुनी हुई सरकार का यह कहना है कि उप राज्यपाल की वजह से दिल्ली नर्क बनी है क्योंकि वे काम नहीं करने दे रहे हैं। यह बात वह सरकार कह रही है, जिसके मुखिया दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। वे पिछले करीब छह महीने से जेल में हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। जाहिर है मुख्यमंत्री बाहर नहीं हैं तो कैबिनेट की बैठक नहीं हो रही है और कोई फैसला लोगों की जरुरतों या स्थितियों के मुताबिक नहीं हो रहा है। सब कुछ तदर्थ रूप से हो रहा है। सारे मंत्रियों के पास हर समस्या पर एक ही जवाब है कि उप राज्यपाल नहीं करने दे रहे हैं। सफाई क्यों नहीं हुई तो एलजी ने नहीं करने दिया। बरसात से पहले गाद क्यों नहीं निकाली, जबकि नगर निगम भी तुम्हारे पास है तो एलजी ने नहीं करने दिया। स्ट्रीट लाइट क्यों नहीं जल रही तो एलजी ने नहीं जलने दिया। सीसीटीवी कैमरे क्यों नहीं लगे तो एलजी ने नहीं लगने दिया। कॉलेजों में शिक्षकों के वेतन में क्यों देरी है तो एलजी पैसे नहीं जारी कर रहे हैं। स्थायी शिक्षकों की बजाय स्कूलों में तदर्थ या अतिथि शिक्षक क्यों हैं तो एलजी ने नहीं होने दिया। अस्पतालों की हालत इतनी खराब क्यों है तो एलजी ने नहीं ठीक करने दिया। सड़कों और पार्किंग की व्यवस्था क्यों नहीं हुई तो एलजी ने नहीं करने दिया। सर्दियों में प्रदूषण से निपटने के उपाय क्यों नहीं हुए तो एलजी ने नहीं करने दिया। मतलब एलजी कोई काम नहीं करने दे रहे हैं। आम आदमी पार्टी के साढ़े नौ साल के कार्यकाल में पुराने और नए एलजी ने मिल कर सारे काम रोक दिए, एलजी सिर्फ एक ही काम नहीं रोक पाए और वह है चार बंगले तोड़ कर 50 करोड़ रुपए की लागत से मुख्यमंत्री का एक विशाल, चमकता हुआ बंगला तैयार करने का। वह काम कराने में दिल्ली सरकार को कोई बाधा नहीं आई। बाकी सारे काम एलजी रोक रहे हैं।

जीवन में छल-कपट और ठगने की प्रवत्ति बड़ी विकृति है

■ दसलक्षण पर्व तृतीय दिवस, 10 सितंबर 2024 पर विशेष :

■ (मन—वचन—काय की सरल प्रवृत्ति का नाम आर्जव धर्म)

-डॉ सुनील जैन

दसलक्षण महापर्व में तीसरा दिन उत्तम आर्जव धर्म को समझने, जीवन में उतारने का है। 'योगस्यावक्रता आर्जव' । मन—वचन—काय की सरलता का नाम आर्जव है। अर्थात् सरलता का भाव आर्जव है। अर्थात् ऐसा धर्म जो मन को स्थिर करने वाला है, पाप को नष्ट करने वाला है और सुख का उत्पादक है। जैसा अपने मन में विचार किया जाये, वैसा ही दूसरों से कहा जाये और वैसा ही कार्य किया जाये। आर्जव धर्म मन को सुमेरु पर्वत की भांति अडिग दृढ़, मजबूत बनाता है। मायाचारी तभी की जाती है जब किसी के चंगुल से छूटना हो या किसी को चंगुल में फसाना हो, मायाचारी करने बाला नियम से तिर्यंचगति में जाता है । यहां की थोड़ी सी मायाचारी तिर्यंचगति में अनंत दुखों को प्राप्त कराती है इसलिए मायाचारी छोड़ मन में सरलता को धारण करो ताकि जीवन का उद्धार हो सके। मन, वचन ,काय की सरलता हमे सीधे मोक्ष ले जाती है। छल कपट से मनुष्य का जीवन दु:खमय हो जाता है। जीवन में सुख और शांति चाहने वाले प्राणी को सदैव जीवन को छल कपट, द्वेष आदि विकारों से रहित रखना चाहिए। जैसा अपने मन में विचार किया जाये, वैसा ही दूसरों से कहा जाये और वैसा ही कार्य किया जाये। इस प्रकार से मन—वचन—काय की सरल प्रवृत्ति का नाम ही आर्जव है। मन से माया शल्य को निकाल दो और पवित्र आर्जव धर्म का विचार करो। क्योंकि मायावी पुरुष के व्रत और तप सब निरर्थक हैं। यह आर्जव भाव ही मोक्षपुरी का सीधा उत्तम मार्ग है। जहाँ पर कुटिल परिणाम का त्याग कर दिया जाता है वहीं पर आर्जव धर्म प्रगट होता है। यह अखण्ड दर्शन और ज्ञानस्वरूप है तथा परम अतींद्रिय सुख का पिटारा है। आत्मविश्वास, आत्मविश्वास से निडरता, निडरता से दृढ़ता व संकल्पशक्ति, संकल्प से कार्य करने की निरंतरता, कार्य की निरंतरता से निश्चित सफलता मिलती है। हम कह सकते हैं कि सरलता से सफलता आर्जव धर्म का परिणाम है। जो साधना सरलता पैदा करती है, वही सच्चे अर्थ में साधना है। साधना से पैदा हुई सरलता स्थाई होती है। जो सरल है, वही संत है। क्रोध गया, मान गया अब मायाचारी होने से बचने के संकल्प की बारी है। ऋजुता का भाव भी आर्जव है। जीवन में छल कपट बड़ी विकृति है, जो दूसरों को छलता है, उसके सीने में छाले पड़ जाते हैं। जीवन में भीतर-बाहर से सरलता रखिए। मायाचारी और छलकपट व्यक्ति का कभी कल्याण नहीं हो सकता। छल-कपट करने वाले का चित्त हमेशा अशांत रहता है। इसके विपरीत जो सरल मन के हैं, वे निश्चित रहते हैं। उनकी साधना भी सरलता उत्पन्न करती है। जो साधना सरलता पैदा करती है, वही सच्चे अर्थ में साधना है। साधना से पैदा हुई सरलता स्थाई होती है। संसार से उदासीन रहो, लेकिन उदास नहीं। छल-कपट से जीवन बर्बाद हो जाता है।

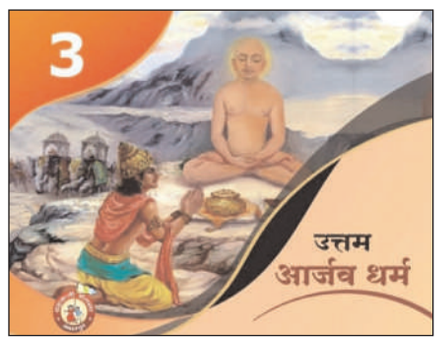

कपटी पर कोई विश्वास नहीं करता। जीवन में संपूर्ण संपदा और सब कुछ खत्म हो जाए तो चिंता नहीं बस विश्वास को सहेज कर रखिए। जितने सरल हम अपने जीवन में होते जाएंगे, उतने ही हम ईश्वरत्व के समीप होते जाएंगे। कोई भी व्यक्ति परमात्मा का भक्त तब तक नहीं हो सकता, जब तक उसमें मायाचार का अंश भी विद्यमान है। मायाचारी अपने कपट व्यवहार को कितना ही छिपाए, देर-सबेर वह प्रकट होता ही है। इसीलिए कहा गया है - नहीं छिपाए से छिपे, माया ऐसी आग, रुई लपेटी आग को, ढांके नहीं वैराग। आज का मानव बहुरूपिया है। उसका स्वभाव जटिलताओं का केंद्र बन गया है। रिश्तेदारों के साथ, अतिथियों , मित्रों तथा अड़ोस-पड़ोस में बसने वालों के साथ -हर किसी के साथ और हर स्थान पर वह छल से पेश आता है। यहां तक कि भगवान के आगे भी वह अपनी मायाचारी बुद्धि का कमाल दिखाए बगैर नहीं रहता। विडम्बना तो देखिए मायाचारी के दुष्परिणाम को जानने वाले, जैनदर्शन को जानने और समझने वाले भी आज मायाचारी, फरेब करने से नहीं चूकते और दूसरे को ठगने की भरपूर कोशिश करते रहते हैं और बाहर बहुत ही अच्छे देव-शास्त्र-गुरु के भक्त होने का ढोंग करते रहते हैं। अपने मायावी जाल में फसाने के लिए वह न जाने कितने जतन करते हैं , सामने वाले को नीचा दिखाने खुद को ईमानदार दिखाने की पूरी कोशिश करते हैं। ऐसे पढ़े-लिखे मूर्खों के लिए समाज में एक मानसिक काउंसलिंग केन्द्र भी खोला जाना चाहिए जो ताकि ऐसे लोगों की बुद्धि-शुद्धि हो सके। मायाचारी, ठगने वाले कुछ दिन जरूर खुश हो सकते हैं लेकिन जब ऊपर वाले की लाठी चलती है तो दिखाई जरूर नहीं देती लेकिन उसके दुष्परिणामों की सजा जरूर देती है। छल कपट से मनुष्य का जीवन दु:खमय हो जाता है। जीवन में सुख और शांति चाहने वाले प्राणी को सदैव जीवन को छल कपट, ईर्ष्या, द्वेष आदि विकारों से रहित रखना चाहिए। सभी को सरल स्वभाव रखना चाहिए, कपट को त्याग करना चाहिए। कपट के भ्रम में जीना दुखी होने का मूल कारण है ।

कपट न कीजे कोय, चोरन के पुर ना बसें।
सरल-सुभावी होय, ताके घर बहु-संपदा।।

कविवर द्यानतराय जी दसलक्षण धर्म की पूजन में लिखते हैं-

उत्तम आर्जव-रीति बखानी, रंचक दगा बहुत दु:खदानी।
मन में हो सो वचन उचरिये, वचन होय सो तन सों करिये।।कपट न कीजे कोय, चोरन के पुर ना बसें।
सरल-सुभावी होय, ताके घर बहु-संपदा।।
उत्तम आर्जव-रीति बखानी, रंचक दगा बहुत दु:खदानी।
मन में हो सो वचन उचरिये, वचन होय सो तन सों करिये।।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, मंगलवार 10 सितंबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
5

दिगंबर जैनाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ने कहा

मार्दवधर्म गुरुओं कि पवित्र वाणी सुनकर उसके अनुसार जो जिना प्रारंभ कर देता हैं, वह शीघ्र ही सिद्धी को प्राप्त करता है

नांदणी (विश्व परिवार)। दसलक्षण महापर्व महोत्सव के अवसर पर दिनांक 8 सितम्बर से 17 सितम्बर 2024 तक नांदणी (महाराष्ट्र) में आध्यात्मिक श्रावक - साधना संस्कार शिवीर का आयोजन किया हैं। दिगंबर जैनाचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव ने पर्युषण पर्व पर श्रावक संयम साधना संस्कार शिबीर में संबोधित करते हुए कहा कि -

सरलता, सहजता, नम्रता, अहंकार से शून्य जीवन ही संसार में सर्व श्रेष्ठ हैं। नर तन पाकर जीवन उन्हीं का श्रेष्ठ है, जो अहंकार छोडकर मार्दव धर्म के साथ जीवन जिते हैं। जीवन में उत्कर्ष चाहिए, जीवन में उन्नती चाहिए, तो गुरुओं कि आज्ञा में जिना सीखो। गुरुओं कि पवित्र वाणी सुनकर उसके अनुसार जो जिना प्रारंभ कर देता हैं, वह शीघ्र ही सिद्धी को प्राप्त करता हैं।

अहंकार, मान, अहं, घमंड, सर्व नाश का कारण हैं। विशुद्ध भाव बनाओ, विनम्र बनो ज्ञान बढता जायेगा। मान अनर्थकारी हैं। मानी के मान के कारण इसका पुरा धन, वैभव, यश सब- कुछ नष्ट हो जाता हैं। जिस रावण के एक लाख पुत्र, सव्वा लाख नाती थे परंतू अहंकारी ने अहंकार के कारण सब कुछ नष्ट कर लिया। सभी पुत्र नाती युद्ध में मरण को प्राप्त हो गये।

अहंकारी अपने दूरव्यावहार से अपने सगों को भी शत्रू बना लेता हैं। अहं छोडकर हमे सरलता, नम्रता पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अहं और वहं आनंद को भंग कर देते हैं। अहं भी छोडो, वहं भी छोडो।

-अभिषेक अशोक पाटील

'आने वाली श्वांस' का भरोसा नहीं है, तो फिर घमंड किस बात का? : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। 'आने वाली श्वांस' का भरोसा नहीं है, तो फिर घमंड किस बात का? जो व्यक्ति अपनी काल्पनिक छवि में अपनी असली छवि ढूंढता है वह जिंदगी भर दु:खी बना रहता है। क्या है तुम्हारा बोलो? क्या यह संपत्ति तुम्हारी है, ? यह सगे सम्बंधी तुम्हारे है? जब यह शरीर ही तुम्हारा अपना नहीं है तो अहंकार किस बात का? उपरोक्त उद्गार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के परमप्रभावक शिष्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने दशलाक्षण धर्म के दूसरे दिवस उत्तम मार्दव धर्म पर व्यक्त किये। उन्होंने उदाहरण देते हुये कहा पति पत्नी के बीच तनाव था दौनों मेरे पास आये पति सी.ए था और पत्नी सी.एस दौनों के बीच ई- गो की समस्या थी हमने पत्नी को बुलाया और उससे पहले बात की उसने कहा कि यदि ये सी.ए है तो में भी तो उच्च पद पर हुं, मेंने उनको समझाया तुम सी.एस बाद में हो पहले किसी की पत्नी हो और पति को भी समझाया बात दौनों के समझ में आ गयी और परिवार उजडते उजड़ते बच गया बरना आजकल पड़े लिखे लोगों में ही ज्यादा तलाक होते है। आचार्य श्री ने हायकू लिखा है जो मानते अपने आपको सबसे बड़े है वह अभी धर्म से बहूत दूर खड़े है मुनि श्री ने कहा कि यदि कोई झुकता है तो उसका सम्मान करो उसके सिर पर बैठने की कोशिश मत करो सिर पर बैठने बालों को दुनिया कुचल देती है, उन्होंने बलभद्र श्री कृष्ण और दुर्योधन का उदाहरण देते हुये कहा कि वह चाहते थे कि भाई भाई में युद्ध न हो और उन्होंने दुर्योधन को समझाया कि तुम इंद्र प्रस्थ सहित सारी संपत्ति रख लो पांडवों को मात्र पांच गांव दे दो हम उनको मना लेंगे लेकिन दुर्योधन तो सत्ता के नशा और अहंकार में डूवा हुआ था मानी व्यक्ति हमेशा अपने मान में ही डूवा रहता है उसने वलभद्र श्रीकृष्ण की बात को नहीं मानते हुये अभिमान में कहा कि पांच गांव तो छोड़ो विना युद्ध के एक सुई की नौक बराबर जगह भी नहीं दे सकता और फिर क्या हुआ परिणाम सभी जानते है। मुनि श्री ने कहा मान का सदैव मर्दन होता आया है, अपने आप को उतना ही मानो कि लोगों से मनवाने की कोशिश न हो बरना यह कहावत चरितार्थ होगी कि लौट के बुद्धू घर को आये जिसके अंदर विनम्रता का गुण होता है उससे कोई रूठता नहीं यदि कोई रुठता है तो वह उसे प्रेम के साथ मना लेता है उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड में एक कहावत है जो न मांगे बड़ों की सीख बो मांगे जिंदगी भर भीख रूठो लेकिन उतना ही कि कोई मनाऐ तो तुरंत मान जाओ यदि यह प्रवृत्ति आ गई तो घर घर की महाभारत मिट जाऐगी। प्रवचन के पूर्व आयोध्या से रामजन्म भूमी के महामंत्री चम्पक राय जी पधारे मुनि श्री ने उनको आशीर्वाद देते हुये कहा राम भारत की धार्मिक सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक है, वर्तमान युग स्वर्णिम युग है, और हमेंगौरव है कि हम मंदिर बनाने बाले लोग है, मिटाने बाले नहीं उन्होंने कहा कि रामजन्म भूमी पर बने विशाल मंदिर को बनाने में जैन समाज का बहूत बड़ा योगदान है, आचार्य गुरुदेव ने भारतीय संस्कृति को जीवंत रखने के लिये पत्थरों के मंदिरों का निर्माण कराया जिनकी आयू हजारों वर्ष की है और उसी शैली में राम जन्मभूमी पर मंदिर निर्माण हुआ है मंदिर बनने के पूर्व न्यास के पदाधिकारियों ने इस बाबत आचार्य श्री से सलाह ली थी उन्होंने राममंदिर निर्माण पर कहा कि राम तो राष्ट्र के लिये एक आदर्श है, राम हमारे भीतर है, हमारी आत्मा में है। उन्होंने कहा अयोध्या और श्री सम्मेद शिखर शास्वत भूमी है जंहा पर भगवान आदिनाथ से लेकर महावीर पर्यन्त तीर्थंकर की जन्म स्थली एवं मोक्ष स्थली है। उन्होंने कहा कि हिंदू संस्कृति आर्थित जो हिंसा से दूर रहे वह संस्कृति ही अनादि निधन भारतीय संस्कृति है।प्रचार प्रमुख एवं प्रवक्ता अविनाश जैन, राहुल जैन (स्पोर्ट्स) ने बताया मुनिसंघ के सानिध्य में तथा ब्रहम्चारी अशोक भैयाजी एवं अभय भैयाजी के निर्देशन में दशलाक्षण महापर्व त्याग तपस्या एवं भगवान की भक्ति कर मनाया गया विगत सांयकाल शंकासमाधान में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री चेतन कश्यप मुनि श्री से आशीर्वाद लैने पधारे एवं अपनी शंकाओं का समाधान पाया। इस अवसर पर देश के भामाशाह अशोक पाटनी, मुख्य पुण्यार्जक मुकेश पाटोदी, धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक डोसी, महोत्सव अध्यक्ष नवीन गोधा, महामंत्री हर्ष जैन, आनंद गोधा, दिलीप गोधा, सहित सभी पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया।उपरोक्त जानकारी प्रवक्ता एवं प्रचार प्रमुख अविनाश जैन एवं राहुल जैन स्पोर्ट्स ने दी। **-अविनाश जैन**

अहम के विसर्जन से ही मार्दव की शुरुआत होती हैजीवन में विनम्रता का होना बहुत ही आवश्यक है : प्रज्ञा सागर जी महाराज

झालरापाटन (विश्व परिवार)। दिगंबर जैन समाज के 10 लक्षण पर्व के दूसरे दिन सोमवार को श्रावकों ने उत्तम मार्दव धर्म को अंगीकार कर विशेष पूजा अर्चना की। शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, चंद्रप्रभ मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर, सांवला जी मंदिर, आदिनाथ मंदिर, नेमी नगर लालबाग स्थित सीमंधर जिनालय, कल्पतरु पार्श्वनाथ नसिया, अतिशय क्षेत्र जूनी नसिया मे सुबह से ही शांति धारा और अभिषेक के साथ नित्य नियम पूजा, 10 लक्षण धर्म पूजा की गई। शांतिनाथ बाड़ा मे तपोभूमि प्रणेता एवं पर्यावरण संरक्षक आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में विधानाचार्य राजकुमार जैन बैंक वाला ने संगीतकार कटनी निवासी पदमचंद जैन की मधुर स्वर लहरियों के साथ विधान की पूजा में 10 लक्षण पूजा, सोलह कारण पूजा, शांतिनाथ पूजा और 64 ऋद्धियों के अर्घ्य मांडने पर समर्पित किए। जिसमें सौधर्म इंद्र बने वर्षा मनीष चांदवाड के साथ अन्य पुरुष एवं महिलाओं ने पूजन की। पूजन के दौरान भक्ति भाव से सरोबार होकर पूजन कर रहे श्रावक बीच में उठ-उठ कर नृत्य करने लगे। विधानाचार्य ने बीच-बीच में विधान का महत्व बताते हुए कहा कि मान को मारना ही मार्दव को स्वीकार करना होता है। अहंकार की दीवार स्वयं के भीतर जाने नहीं देती। अहंकार के कारण विवाद, संघर्ष फैलता है। जहां अंधकार है वहां विलंब नहीं है। मात्र दुख ही वहां प्राप्त होता है। प्रवक्ता यशोवर्धन बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम के तहत शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दोपहर 2:30 बजे हेमश्री माताजी के सानिध्य में तत्वार्थ सूत्र, शाम 6:30 बजे शांतिनाथ बाड़ा में प्रतिक्रमण और 7 बजे से आनंद यात्रा हुई। तपोभूमि प्रणेता आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा कि अहम के विसर्जन से ही मार्दव की शुरुआत होती है। जीवन में विनम्रता का होना बहुत ही आवश्यक है। विनय जैसा गुण ही मनुष्य को महान बनाता है। सब की आत्मा एक जैसी कोमल है। हम अपने स्वार्थवश अभिमान करके उसे कलुषित करते हैं। हमें कभी किसी वस्तु का घमंड नहीं करना चाहिए। हमें जियो और जीने दो के सिद्धांत का पालन करना है। मैं और मेरा पन के भाव का त्याग करना ही उत्तम मार्दव धर्म है। समाज और देश में शांति की स्थापना के लिए इस धर्म का अमूल्य योगदान है। निर्मल मार्दव धर्म को धारण करके ही मनुष्य सच्चे सुख का अनुभव करता है। नलीन जैन लुहाड़िया से प्राप्त जानकारी। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया**

संक्षिप्त समाचार

बलौदाबाजार जैन समाज दिगंबर मंदिर में 10 लक्षण पर्व के दूसरे दिन उत्तम मार्दव धूमधाम से मनाया गया

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। बलौदाबाजार जैन समाज दिगंबर मंदिर में आज 10 लक्षण पर्व का दूसरा दिन उत्तम मार्दव धूमधाम से मनाया गया। यह धर्म समस्त जीवो में हमेशा मृदु भाव अर्थात सरल भाव रखना व कठोर भाव का त्याग करना चाहिए सिखलाता है। पर्यूषण पर्व के द्वितीय दिन श्री जी के शांति धारा करने का सौभाग्य अनूप जैन युवराज जैन को प्राप्त हुआ उन्होंने सपरिवार शांति धारा करने का व धर्म लाभ लिया। श्रीजी का अभिषेक प्रथम चार कलश से करने का सौभाग्य अजेश जैन युवराज जैन आयुष जैन प्रवेश जैन को प्राप्त हुआ। शाम की महा आरती का सौभाग्य समाज के अध्यक्ष दिनेश जैन को प्राप्त हुआ बाहर से आए हुए पंडित मनोज शास्त्री जी द्वारा अभिषेक शांति धारा आरती पूजन संपन्न कराया गया समाज के अधिकांश युवा वर्ग ने श्री जी का अभिषेक किया दिनेश जैन एवं अशोक जैन ने बताया कि आज का धर्म अहंकार को खत्म करना और सच्ची विनय शीलता को प्राप्त करना सिखलाता है। रात के सांस्कृतिक कार्यक्रम में महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है और बच्चे कार्यक्रम मे भाग लेकर अपने प्रदर्शन से मन मोह ले रहे हैं कल के भजन कार्यक्रम में परख जैन ने प्रथम स्थान और आरवी जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है डांस प्रतियोगिता में नीति जैन प्रथम स्थान प्राप्त किया है आज बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं एवं पुरुष भक्ति के रंग में दिखे।

स्वस्ति भूषण माताजी के सानिध्य में वयोवृद्ध लेखक प्रकाशक राजेंद्र जैन हुए सम्मानित

स्वस्तिधाम जहाजपुर (विश्व परिवार)। भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी के सानिध्य में जैन तीर्थ वंदना एवं दर्शनीय स्थल पॉकेट बुक एवं जैन संतों पर आधारित पुस्तक के लेखक श्री राजेंद्र जैन कोटा का स्वस्ति धाम जहाजपुर में सम्मानित किया गया उन्हें यह सम्मान उनकी सेवा निष्ठा उनके लेखन के लिए जो समाज के लिए अनुकरणीय कार्य किए हैं उसके लिए उन्हें सम्मान दिया गया। इस बेला में क्षेत्र कमेटी के साथ श्रीमान राजेंद्र कुमार महावीर सनावद, राजमल पाटोदी कोटा, अनिल जैन ठोरा कोटा, शीतल प्रसाद जैन दिल्ली एवं विमल खटोड़ उपस्थित रहे। श्री जैन के कार्य पर यदि नजर डाली जाए तो उन्होंने जैन समाज के लिए बहुत ही उपयोगी पुस्तक लिखी है।जो आज सभी के लिए उपयोगी साबित हो रही है। उन्हें माला पहनाकर उन्हें अभिनंदन पत्र प्रदान किया गया। अभिनंदन पत्र का वाचन वरिष्ठ पत्रकार श्रीमान राजेंद्र कुमार जैन सनावद ने किया। अभिनंदन पत्र वाचन करते हुए हुए श्री राजेंद्र जैन महावीर ने कहा। चिकित्सक के रूप में श्रेष्ठ विशेषज्ञ की सेवाएं प्रदान करने वाले, देशाटन प्रेम के कारण संपूर्ण देश-विदेश में भ्रमण करने वाले, कोटा जैन समाज के रत्न, जैन तीर्थ वंदना एवं दर्शनीय स्थल के लेखक-संपादकतीर्थ वंदना डॉ. आर. के. जैन सा.के कर कमलों में सादर समर्पित। वंदनीय अभिनंदन-पत्र-समाज श्रेष्ठी श्री हजारीलालजी चंद्रवती जैन के घर आंगन में 08 अगस्त 1943 को जन्में डॉ. आर. के. जैन कोटा नगर की प्रेरणादायी शख्सियत के रूप में पहचान रखते है। 8 अगस्त 1943 को जन्में आपको सामाजिक-धार्मिक परोपकारिता के संस्कार परिवार से परंपरागत रूप से प्राप्त हुए। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया**

श्रमकार्ड बना योजना का दिलाएं लाभ : कलेक्टर डॉ. सिंह

जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आज रेडक्रॉस सभाकक्ष मे आयोजित जनदर्शन मे आम नागरिकों की समस्याओ को सुना। कलेक्टर ने आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने का निर्देश भी दिया। इस दौरान अनेकों आवेदन प्राप्त हुआ। उन्होंने प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने मठपुरैना निवासी श्रीमती भानमति पठारी को श्रमकार्ड बनाकर योजना का लाभ दिलाने का निर्देश दिया। बता दें कि श्रीमति पठारी के पति की 8 महीने पहले मृत्य हो गई थी। जिसके बाद उन्हें अपने 2 बच्चों को पालन पोषण में परेशानी का सामना करना पड रहा है। उनके पति के पास न तो आवास और न ही किसी प्रकार की संपति थी। इसलिए उनको रहने में भी परेशानी का सामना करना पड रहा है। साथ ही घर वाले किसी प्रकार की मदद नहीं कर रहे हैं।

जनदर्शन के दौरान की धरसींवा के ग्राम पथरी निवासी श्रीमती विद्या बघेल ने चिटफंड कंपनी पल्सग्रीन का पैसा वापस दिलाने के लिए आवेदन दिया। जिसके लिए कलेक्टर ने एडीएम को मामले की जानकारी लेने का निर्देश दिया। अभनपुर के ग्राम पलौद निवासी संतोष साहू ने भूअभिलेख का नक्शा सुधारने का आवेदन दिया। जिसे कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए सुधार कार्य करने का निर्देश दिया।

चैतन्य चमत्कारी भगवान पार्श्वनाथ के दरबार में होगा 10 दिवसीय श्री 1008 गणधर वलय महामंडल विधान

टोडी फतेहपुर (विश्व परिवार)। झांसी जिले के टोडी फतेहपुर स्थित भगवान पार्श्वनाथ के सुप्राचीन अतिशयकारी क्षेत्र टोडी फतेहपुर जी में पर्युषण पर्व के अवसर पर परंपरागत श्री 1008 गणधर वलय महामंडल विधान आयोजित किया गया जो 10 दिन तक चलेगा।

इस अवसर पर आज ध्वजारोहण व घटयात्रा का आयोजन किया गया। पिछले चार दशकों से ध्वजारोहण करने की परंपरा का निर्वाह झांसी नगर के प्रतिष्ठलाब्द परिवार दैनिक विश्व परिवार को मिलता रहा है यह परंपरा अब तक जारी है, इसबार इस परंपरा का निर्वाहन विश्व परिवार के आलोक जैन व श्रीमती रंजना जैन ने किया।

इस अवसर पर देश के विभिन्न नगरों से विधान में सहभागिता हेतु पहुंचकर पिंकेश - नीती जैन इंदौर हेमंत जैन बरोदिया,अनिल ममता दिवाकर सिवनी अभय जी सुशमा जैन सिलवानी संजय अल्पा जैन देवरी-कस्तूर चंद्र शोभा जैन तेंदूखेड़ा ने ध्वजारोहण व कलश स्थापना में सहभागिता की।

आयोजन में पं. विवेक कुमार जी शास्त्री (देवेंद्र नगर) ने पर्युषण पर्व आरंभ होने की कथा सुनाते हुए सभी कार्य विधिविधान पूर्वक संपन्न करवाए।

इस अवसर पर मौजूद भगवान महावीर निर्वाण महामहोत्सव समिति, झांसी के महामंत्री संजय जैन कर्नल ने कहा कि यह अतिशयकारी क्षेत्र समाज के लोगों के लिए वरदान की तरह है, यहां आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

इस अवसर श्री मिलाप चंद्र जैन, श्री कैलाश जैन, श्री विजय जैन, श्री संजीव जैन सहित भोपाल, इंदौर, सिवनी, सिलवानी, सागर, गोरमी, ग्वालियर, देवरी, ललितपुर, जबलपुर, बरोदिया, दमोह, बांसा, देवेंद्र नगर फरीदाबाद, गुरुग्राम आदि नगरों के लोग मौजूद रहे जो आगामी 10 दिनों तक यहीं रहकर धर्माराधना करेंगे।

अंत में श्री पवन जैन ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

किसी गरीब आदमी को देख कर आपकी आंख में आंसू आना चाहिए : मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

श्रावक संस्कार शिविर में हजारों शिविरार्थियों ने की महापूजा, संस्कारो की विधि को संयम पूर्वक ग्रहण करने पर वह साथ जायेगी

सागर (विश्व परिवार)। अपने लिए तो बहुत आंसू निकलते कभी किसी गरीब के लिए दो आंसू आये हम अपने और अपनो के लिए बहुत दुखी हो जाते हैं कभी किसी रोड़ पर पड़े रोगी को पीड़ित को देखकर दुखी हो जाये तो सच्चाधर्म हैसंसार के दुखो को कैसे दूर करूं ये वात मन में आते ही आपके अंदर मार्दव धर्म प्रकट हो जाता है आपके अंदर गरीब आदमी असाहय व्यक्ति के प्रति दया करुणा जागी गरीब आदमी के लिए आंसू आने पर ही आपको मार्दव धर्म आ जायेगा।

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि 31वे श्रावक संस्कार शिविर में आज प्रात: काल की वेला में मुनिपुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में ध्यान का सत्र किया गया इसके बाद जगत कल्याण की कामना से महा शान्ति धारा मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के श्री मुख से हुई जिसका सौभाग्य दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के पूर्व अध्यक्ष अरविंद जैन मक्कू सिंघई परिवार मुंगावली के साथ ही शिविरपुण्यर्जकपरिवारकमल कुमार रिषभ कुमार वादरी परिवार सहित अन्य भक्तों को मिला इसके बाद प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया व वाल ब्रह्मचारी विनोद भ इया के मधुर भजनों के साथ महा पूजन की जा रही है।

इस दौरान धर्म सभा में मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहाकि क्रिया हीन धर्म दुनिया में अस्तित्व हीन होता है क्रिया धर्म विहीन हो सकती है लेकिन धर्म क्रिया के विना नहीं हो सकता धर्म सर्वेश्रेष्ठ है लेकिन उसके हाथ में कुछ भी नहीं है जैसे राष्ट्रपति सबसे बड़ा है लेकिन वह अपना काम खुद नहीं कर सकता वह गोली नहीं चला सकते उनके लिए बाडीगर्ड है रसोईया रसोई बनाता है वह स्वयं नहीं वना सकता है हमने कल कहा था धर्मात्मा पहले नम्बर पर कहा था धर्म को वाद में लिया जो हमें चलता है उसका नाम धर्म रख दिया और रूकने का नाम अधर्म है धर्म वो है जो किसी न किसी के पास है और धर्मात्मा वो है जो कोई ना कोई किया कर रहा है।

हमारी हर क्रिया में धर्म दिखना चाहिए संसारी व्यक्ति भोजन करते हुए भोजन का आनंद लेता है और धर्मात्मा भोजन करते हुए भी उसको सोधते हुए ग्रहण करता है हर क्रिया में धर्म होना चाहिए आप लोग आहार देखने नहीं जाते आप आहार करते समय धर्म देखने जाते हैं क्या ले रहे हैं उसमें आप देखते हैं शुद्ध ले रहा हैधर्म का वीज ग्रहस्थ के घर में ही उत्पन्न होता है ग्रहस्थ के सबसे पहले मानव धर्म पलता है जो दूसरों के दु:ख को देखकर दुखी हो जाता है उसको मार्दव धर्म प्रकट हो जाता है अपने लिए तो बहुत रो लिए जरा दूसरो के लिए दो आंसू आ जाये तो आप अपने आप को धर्मात्मा समझना अपने लिए तो बहुत आंसू बहाये कभी किसी गरीब के लिए आंसू बहाये तो धर्मात्मा समझना। **-विजय धुर्रा**

पर्वाधिराज पर्युषण दसलक्षण पर्व के दूसरे दिन जैन मंदिरों में हुई उत्तम मार्दव धर्म की पूजा

श्रावकों ने लिया मान कषाय को दूर करने का संकल्प

झांसी (विश्व परिवार)। पर्वाधिराज पर्युषण दसलक्षण पर्व के दूसरे दिन जैन मंदिरों में हुई उत्तम मार्दव धर्म की पूजा आराधना की गई। मेडिकल क्षेत्र की पहाड़ी स्थित श्री दिगम्बर जैन चंद्रोदय तीर्थ के समवसरण मंदिर में चतुर्दिक विराजमान अष्टम तीर्थंकर देवाधिदेव श्री चंद्रप्रभु भगवान का महामस्तकाभिषेक, गौरव जैन जैनम्, सार्थक जैन, अंकित सर्राफ, अंशुल जैन बघेरा, सजल जैन चैनू, बॉबी जैन ने किया। विश्वशांति की मंगलकामना के साथ सौरभ जैन सर्वज्ञ ने विधिविधान पूर्वक मंगलाष्टक पाठ, अभिषेक पाठ, शांतिधारा, देव-शास्त्र-गुरु पूजन, दसलक्षण पूजन संपन्न कराई। श्रीमति निकिता जैन चैनू, नेहा जैन को श्रीजी की आरती करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सौरभ जैन सर्वज्ञ ने उत्तम मार्दव धर्म को परिभाषित करते हुए कहा कि जिस प्रकार अंक के अभाव में शून्य का कोई महत्व नहीं होता उसी तरह मृदुता के अभाव में किसी धार्मिक क्रिया का कोई महत्व नहीं हैं। अपने मुख से अपनी प्रशंसा करना ये अहंकार की घोषणा एवं दूसरे के मुख से अपनी प्रशंसा सुनना ये अहंकार की पुष्टि है। मार्दव धर्म को स्वीकारें, यह मार्दव धर्म पापों का नाश करने वाला, भावों को निर्मल बनाने वाला, बैर को नाश करने वाला है। बुद्धि का संरक्षक हैं। अपना उत्थान के लिए हर व्यक्ति को अभिमान का त्याग करना चाहिए।

इधर गांधी रोड स्थित श्री दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में श्री पार्श्वनाथ भगवान की अतिप्राचीन मूंगावर्णी जिनप्रतिमा का अभिषेक, शांतिधारा करने का सौभाग्य वरिष्ठ समाजसेवी जिनेन्द्र सर्राफ, अखिल भारतीय विनिश्चय गरुप के अध्यक्ष राजीव जैन सिर्स, पंचायत कनिष्ठ उपाध्यक्ष वरुण जैन, मनोनीत सदस्य गौरव जैन नीम, सचिन सर्राफ, नरेश जैन नीटू, अमन जैन विरागप्रिय, दीपांक सिंघई, नमन जैन, विपिन अछरौनी को प्राप्त हुआ।

10 सितम्बर को होगी उत्तम आर्जव धर्म की आराधना : सौरभ जैन सर्वज्ञ ने बताया कि भाद्रपद शुक्ल सप्तमी तिथि अनुसार पर्वाधिराज पर्युषण दसलक्षण पर्व के तीसरे दिन सोमवार 10 सितम्बर को उत्तम आर्जव धर्म की भक्ति आराधना की जाएगी।

कोमलता, निर्मलता उत्तम मार्दव धर्म है : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

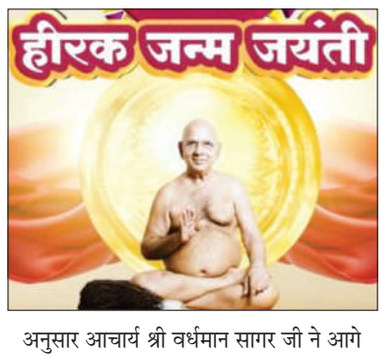

पारसोला (विश्व परिवार)। आचार्य श्री वर्धमान सागर की सनमति भवन में विराजित है 10 सितंबर को पारसोला साबला रोड़ पर वात्सल्य वारिधि स्वागत द्वार का लोकार्पण होगा तथा आचार्य श्री वर्धमान सागर जी का 75 वां जन्म वर्ष हीरक जन्म जयंती महोत्सव मनाया जाएगा 9 सितंबर की धर्म सभा में प्रवचन में आचार्य श्री ने बताया कि मान ऐसी मीठी कषाय है ,जिसके कारण व्यक्ति भीतर भीतर झुलसता रहता है। जो जितना झुकता है वह उतना ही ऊंचा उठता है विनय गुण से मोक्ष का द्वार खुल जाता है ।विनय के अभाव में संपूर्ण शिक्षा निरर्थक है ,विनय के अभाव में सम्यक दर्शन नहीं रह सकता है।जो कुल, रूप ,जाति, बुद्धि ,तप, श्रुत और शील आदि के विषय में थोड़ा सा भी किंचित मात्र भी गर्व नहीं करता है ,उसके पास मार्दव धर्म प्रगट होता है। या वह मार्दव धर्म का धारी होता है । यह धर्म देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने दशलक्षण पर्व के दूसरे दिन उत्तम मार्दव धर्म की विवेचना करते हुए प्रकट की । ब्रह्मचारी गज्जू भैया राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने आगे बताया कि विनयशील व्यक्ति धर्म सभा में पहले आता है, और बाद में जाता है उदाहरण के लिए जैसे जीभ पहले आती है ,और बाद में जाती है ।पर मानी व्यक्ति बाद में आता है और पहले जाता है, जैसे दांत बाद में आते हैं और पहले चले जाते हैं । मानी व्यक्ति और नल के जल के गति एक जैसी होती है ,जिस प्रकार जल को कितना भी ऊपर ले जावे तो भी उसका जल नीचे ही आता है उसी प्रकार मानी व्यक्ति भी नीचे आ जाता है ।साधु जीवन का सबसे बड़ा जहर है ,ख्याति, पूजा, प्रतिष्ठा ,मान की आकांक्षा। मार्दव भाव आत्मा का गुण है मोक्ष सुख का कारण है यह मार्दव धर्म अहंकार का नाशक है। इसके पूर्व मुनि श्री मुमुक्षु सागर जी के प्रवचन हुए। दोपहर को आचार्य संघ सानिध्य में तत्वार्थ सूत्र की विवेचना होती है आचार्य श्री ने तत्त्वार्थसूत्र की विवेचना की। 10 सितंबर को आचार्य श्री वर्तमान सागर जी का 75 वां वर्ष जन्म वर्ष वर्धन हीरक जयंती महोत्सव पारसोला समाज द्वारा भक्ति भाव उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा।

-राजेश पंचोलिया

डिजिटली फसल सर्वे के लिए निजी सर्वेयर को दिया गया प्रशिक्षण

फसल का सर्वे सभी खेतों में जाकर करेंगे

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय की उपस्थिति में जिला पंचायत सभाकक्ष में गिरदावरी अंतर्गत डिजिटल रूप से फसल का सर्वे करने वाले निजी सर्वेयर का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे में निजी सर्वेयर की भूमिका जियो फ्रेंस के रूप में होगी, जो डिजिटल रूप से फसल का सर्वे सभी खेतों में जाकर करेंगे। निजी सर्वेयर को प्रतिदिन 30 से 50 खसरों का टास्क दिया जायेगा। जिसे सर्वेयर खेत में जाकर लॉगिन करेंगे। उनसे तहसीलदार पूछेंगे क्या आप अवलेबल हैं और हां में जवाब आएगा। वैसे ही एप में प्लॉट की स्थितिए खसरा नंबरए एरिया ऑनर का नाम अपने आप फीड हो जायेगा। जो क्रॉप लगी है उसका तीन फोटो लॉन्गिट्यूट लैटिट्यूट के साथ तीन फोटो अपलोड करना है। इस प्रकार एक नंबर का कार्य पूर्ण होगा। जिसमें पटवारी की भूमिका पर्यवेक्षक और

राजस्व निरीक्षक की भूमिका सत्यापनकर्ता तथा तहसीलदार व नायब तहसीलदार की भूमिका जांचकर्ता अधिकारी के रूप में की गई है। सर्वेक्षकों द्वारा संपादित सभी खसरे आरआई के पास नहीं आयेगा। सर्वेक्षकों द्वारा सर्वे किये गए खसरे पटवारी के पास आएंगे। पटवारी या अनुमोदन करेगा या रिसेंड करेगा। पटवारी द्वारा दो बार रिजेक्ट होने की स्थिति में आरआई के आईडी में आयेगा। ऐसे खसरों की संख्या बहुत कम होगी, जहां मौके में जाकर आवश्यकतानुसार सत्यापन किया जाएगा। प्रशिक्षण में बताया गया कि फिल्ड में क्या बोया गया है फसल की जिंस का नाम, मिश्रित फसल की स्थिति में सभी फसलों का अनुमानित रकबा, सिंचित-असिंचित फसल, एकवर्षीय या बहुवर्षीय, सीजनल फसल की जानकारी आदि भरी जायेगी। सर्वेयर द्वारा साफ्टवेयर में बोये गये जिंस व एकल व मिश्रित फसल की स्थिति में बोये गये फसल या पड़त रकबा की अनुमानित प्रविष्टि करेगा। यदि साफ्टवेयर में जियोरिफ्रेंस्ड रकबा के अनुसार सर्वे किए गए रकबा का योग एक समान नहीं आयेगा। तब तक डेटा सेव नहीं होगा। सर्वेयर किसी भी खसरा नंबर की भूमि के मेड़ में खड़े होकर फोटो कैप्चर नहीं करेगा। यदि ऐसा वे करते हैं तो आसपास के खसरा नंबर के लैटलांग मिस्डमैच होगा। इसलिए सर्वेयर प्रत्येक खसरा नंबर की भूमि के अंदर कम से कम मेड़ से 10 मीटर की दूरी पर जाकर प्रयोग संपादित करेगा। यदि पिक्चर में सोयाबीन फसल दिख रहा पर सर्वेक्षक ने धान प्रविष्ट किया हो अथवा प्लाट खाली है और फोटो गन्ना का अपलोड किया है, तो वही डेटा को पटवारी रिसेंड करेगा। सर्वेक्षक सुधार कर फिर से पटवारी को भेजेगा। यदि पटवारी पुनः रिजेक्ट करता है तब आरआई के आईडी में आयेगा। पटवारी द्वारा परंपरागत ढंग से की जाने वाली गिरदावरी से यह फिलहाल अलग है। धान खरीदी पटवारी द्वारा की गई गिरदावरी के आधार पर की जाएगी। डिजिटल क्राप सर्वे उन्हीं ग्रामों में की जायेगी, जहां जियोरिफ्रेंसिंग का सेकेंड लेवल कार्य का संपादन हो गया है। सभी ग्रामों के खसरा नंबरों में नहीं की जाएगी। यह शासन की बहुआयामी योजना है। सकारात्मक ढंग से इस कार्य का संपादन करना है। साफ्टवेयर बहुत ही आसान बनाया गया है। किसी भी वर्जन के एंड्रॉयड मोबाईल में प्रयोग किया जा सकता है, जिसमें ये सपोर्ट करें।

संक्षिप्त समाचार

जुआ खेलते तीन आरोपी रंगे हाथ पकड़े गए

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। मोहित गर्ग के दिशा निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेंद्र नायक के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अवैध जुआ/सट्टा पर कार्यवाही अभियान के तहत दिनांक 07.09.2024 को रात्रि में चौकी सुरगी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भरे गांव गौठान के पास ताश पत्ती के साथ अवैध रूप से जुआ खेलने की सूचना मिलने पर चौकी सुरगी प्रभारी उप निरीक्षक वीरेंद्र मनहर के नेतृत्व में चौकी सुरगी पुलिस द्वारा मौके पर जाकर रेड कार्यवाही कर आरोपी 1. जगदीश निषाद पिता मंथिर निषाद उम्र 31 वर्ष, 2. नरेंद्र कुमार निर्मलकर पिता स्व. लादूराम निर्मलकर उम्र 23 वर्ष, 3. अरुण कुमार पटेल पिता स्व. तुलु राम पटेल उम्र 36 वर्ष सभी निवासी ग्राम भरेगांव टिकरापारा, पुलिस चौकी सुरगी जिला राजनांदगांव को अवैध रूप से जुआ खेलते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया!

ड्यूटी के दौरान एक सिपाही की मौत

जगदलपुर(विश्व परिवार)। शहर के सिटी कोतवाली थानाक्षेत्र में ड्यूटी के दौरान एक ट्रैफिक जवान की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि अचानक उनकी तबियत बिगड़ी थी। जिसके बाद जवान को अस्पताल ले जाया गया जहां जवान की मौत हो गई। मौत की वजह क्या है ये अभी स्पष्ट नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार बस्तर में पदस्थ यातायात सिपाही मनीष देव नेताम (35) रविवार को कोतवाली थानाक्षेत्र में ड्यूटी कर रहा था इसी दौरान उसकी अचानक तबीयत बिगड़ने लगी। मनीष के साथ ड्यूटी कर रहे अन्य सिपाही ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया जहां उपचार के दौरान मनीष की मौत हो गई। मौत की वजह अभी स्पष्ट नही है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम किया गया है जिसकी रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का पता चलेगा। बताया जाता है कि मृतक सिपाही मनीष नेताम धमतरी जिले के कंडेल का रहने वाला था। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। वहीं पोस्टमार्टम के बाद शव को जवान के गृहग्राम भेजा जाएगा

एलुमिना प्लांट में दुर्घटना होने से 3 मजदूरों की मौत

सरगुजा(विश्व परिवार)। सरगुजा के मां कुदरगढ़ी एलुमिना प्लांट में एक बड़ा हादसा हुआ है, जिसमें एक कोयला लोड हॉपर और 150 फीट लंबी बेल्ट गिर जाने से 7-8 मजदूर दब गए। इस दुर्घटना में 2 मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि कुछ के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार लुंड्रा थाना क्षेत्र स्थित प्लांट में रविवार सुबह करीब 11 बजे, प्लांट में काम के दौरान कोयले से लोड किया गया हॉपर और उसके साथ की बेल्ट अचानक गिर गई। यह हॉपर, जिसे पहले भूसा लोड करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था, जिसे कोयला लोड करने के लिए उपयोग में लाया जा रहा था। हादसे के वक्त मजदूर उस क्षेत्र में काम कर रहे थे और भारी मलबे के नीचे दब गए हादसे के तुरंत बाद प्लांट में अफरा-तफरी मच गई। बचाव कार्य के लिए हाइड्रा और जेसीबी की मदद से मलबा हटाया गया। कुछ मजदूरों को सरगुजा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने 2 मजदूरों, मनोज और प्रिंस राज, को मृत घोषित कर दिया। इलाज के दौरान एक और मजदूर की मौत हो गई। पुलिस और चौकी प्रभारी भी मौके पर पहुंच गए हैं और बचाव कार्य में सहायता कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, हॉपर को पहले भूसा लोड करने के लिए डिजाइन किया गया था, जिसका उपयोग बॉयलर चलाने के लिए किया जाता था। 1 सितंबर से इसमें कोयला भरना शुरू किया गया था, जिसके कारण हॉपर ओवरलोड हो गया। जिससे यह हादसा हुआ। इस हादसे ने सुरक्षा मानकों और प्लांट की रखरखाव की प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्न उठाए हैं।

इंस्टाग्राम में युवती से दोस्ती कर किया ब्लैकमेल

कांकेर(विश्व परिवार)। इंस्टाग्राम पर कांकेर की युवती से दोस्ती कर उसका आपत्ति जनक विडियों बनाकर ब्लैकमेल करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने रायपुर से गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार तीन-चार माह पहले कांकेर निवासी 20 साल की युवती की जान-पहचान रायपुर के बीरगाँव निवासी 19 साल के शुभम बंजारे से सोशल मिडिया साइट इंस्टाग्राम पर हुई। जान-पहचान होने तथा गहरी दोस्ती के बाद बातचीत के दौरान युवक ने उसका आपत्तिजनक वीडियो बना लिया तथा ब्लैकमेलिंग करने लगा। जिससे परेशान होकर युवती ने कांकेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट पर तत्काल एक्शन लेते हुए कोतवाली पुलिस ने अपराध दर्ज कर कांकेर थाना प्रभारी की टीम ने रायपुर में आरोपी के ठिकाने पर दबिश दी। इस दौरान आरोपी कई बार अपनी लोकेशन को बदलता रहा। इस पर साइबर सेल के द्वारा लगातार पुलिस टीम को लोकेशन अपडेट करते रहने से घेराबंदी कर आरोपी को रविवार सुबह 3 बजे हिरासत में लिया गया।

सभ्य समाज और देश की प्रगति में शिक्षकों का योगदान अतुलनीय : भावना बोहरा

पंडरिया विधायक ने किया शिक्षकों का सम्मान

कवर्धा(विश्व परिवार)। भारत के महान शिक्षाविद डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती 5 सितम्बर के दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया क्षेत्र के शिक्षकों के समर्पण और एक सभ्य समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हेतु उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए 8 सितम्बर को सामुदायिक भवन, नगर पंचायत परिसर पांडातराई में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के 100 से अधिक शिक्षकों

को भावना बोहरा द्वारा सम्मानित किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि सनातन संस्कृति और हमारे शास्त्रों में शिक्षकों को भगवान की संज्ञा दी गई है। शिक्षकों को भगवान ब्रम्हा,विष्णु,महेश के रूप में बताया गया है और उनका सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य भी है। हमारे शिक्षक निस्वार्थ भाव से समाज को एक नई दिशा देने के साथ ही हमारे आने वाली पीढ़ियों और देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत बनाते हैं। एक शिक्षक के लिए गर्व का समय तब होता है जब उनका शिष्य उनसे भी आगे निकल जाता है, इसमें उन्हें निराशा नहीं बल्कि गर्व होता है और यही एक अच्छे गुरु या शिक्षक की पहचान होती है। आज हमारे देश-प्रदेश व क्षेत्र में शिक्षक लगातार अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पूरे समर्पण भावना के साथ कार्य कर रहें हैं। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को अकादमिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी देते हैं। जिससे वह सही ग़लत की पहचान कर पाते हैं। जीवन में सही मार्ग पर चलना है उसके लिए प्रेरित करते हैं।

हार-जीत खेल का हिस्सा है, खेल भावना का परिचय दें खिलाड़ी - किरण

24 वीं राज्य स्तरीय शाला खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

जगदलपुर(विश्व परिवार)। 24 वीं राज्य स्तरीय शाला खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को धरमपुरा स्थित क्रीड़ा परिसर में सांसद महेश कश्यप, विधायक किरण देव की आतिथ्य में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए। सांसद महेश कश्यप ने कहा जीवन में खेल का विशेष महत्व है। पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक - मानसिक विकास के लिए खेलकूद भी जरूरी है। उन्होंने जगदलपुर में राज्य स्तरीय खेलकूद का आयोजन के लिए शासन का आभार करते हुए प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विधायक किरण देव ने कहा कि सभी बच्चे खेल भावनाओं के साथ खेल का आनंद लें। हार जीत खेल का हिस्सा है। हारने वाले निराश न हो अगली बार जब भी मौक़ा लगे अपना बेहतर प्रदर्शन करें और खिलाड़ी खेल भावनाओं का परिचय दें। सभी बच्चे अपना लक्ष्य निर्धारित कर जीवन में आगे बढ़ने की कोशिश करें।कार्यक्रम को महापौर श्रीमती सफीरा साहू ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप, पूर्व विधायक लच्छू राम कश्यप , पार्षद संजय पांडेय, योगेंद्र पांडे , जनप्रतिनिधि श्रीनिवास मद्दी, जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल ,बीईओ मानस सिंह भारद्वाज एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे । कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर की गई। साथ ही अतिथियों के द्वारा प्रतियोगिता में शामिल होने पहुँचे पांच संभाग से आए स्कूली बच्चों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट कर सलामी दी।

पुलिस अधिकारी बताकर सीनियर डॉक्टर से ऑनलाईन ठगी की

लोरमी(विश्व परिवार)। मुंगेली जिले में साइबर ठगी के मामले बढ़ रहे हैं, और इसके शिकार कम पढ़े-लिखे नहीं बल्कि पढ़े-लिखे हो रहे हैं. ताजा मामले में प्रतिबंधात्मक दवाओं के पार्सल का आरोप लगाते हुए खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताकर कार्रवाई के नाम से डराकर सीनियर डॉक्टर से पैसा ट्रांसफर कराया. पीड़ित ने लोरमी थाने में अज्ञात ठग के खिलाफ अपराध दर्ज कराया। लोरमी थाने में पूर्व बीएमओ डॉ. दीपक लाज द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, उन्हें 4 सितंबर के शाम 5.57 बजे व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से धमकाया कि उनकी आईडी का उपयोग होकर मुंबई से दुबई आर्मी का ड्रेस और प्रतिबंधित दवा ष्ट्डुह्लड्डद्बद्बठ्ठद्ग पार्सल किया गया है, जिसकी जांच चल रही है. मामले में डॉक्टर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किए जाने की धमकी दी गई. इसके बाद आरबीआई वेरिफिकेशन के नाम पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा बताए गए खाता नंबर से 7,35,891 रुपए का ट्रांजेक्सन कर धोखाधड़ी किया गया. ठग सामग्री के वेरिफिकेशन के लिए परिवार और बैंक की जानकारी मांगने लगेय यही नहीं वीडियो कॉल करके स्वयं वर्दी में रहते हुए डॉक्टर को डराने लगे फोन बंद न करने बोलकर डिजिटल अरेस्ट कर किसी को ना बताने का दबाव डालते रहे. डॉक्टर ने बताया कि उन्हें स्नष्ठक्र को तुड़वाकर सेविंग खाते में ट्रांसफर कर उनके दिए गए खाते में क्रञ्ज65 से ट्रांसफर करने को मजबूर हुए. इस दौरान फराज नाम के शख्स के खाते में 7 लाख 35 हजार 891 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किया है. साइबर फ्रॉड का शिकार होने के बाद खाते को होल्ड करने बैंक पहुंचे डॉक्टर को पता चला कि उनके खाते से राशि आहरण कर ली गई है.

नकली शराब बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश

खैरागढ़(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार ने हाल ही में आबकारी नीति में बदलाव कर संबंधित कार्य को अपने नियंत्रण में ले लिया. शराब के वितरण और बिक्री कार्य सीधे सरकार के नियंत्रण में होने से सरकारी खजाने में वृद्धि होने के कयास लगाए जा रहे हैं. लेकिन इन कयासों का पलीता लगाने में भी अपराधी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. खैरागढ़ पुलिस की साइबर टीम ने ऐसे ही एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है जो की हुबहू सरकारी शराब जैसी दिखने वाली नकली शराब का निर्माण कर रहे थे और घड़ल्ले के साथ क्षेत्र में बिक्री भी कर रहे थे। पूरा मामला खैरागढ़ जिले के गंडई थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस को नर्मदा गांव में नकली शराब बनाने की सूचना मिली. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मिर्जा वारिश बेग के घर में दबीस दी, जहां मौके पर समीर और सुखुराम को अवैध शराब के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया गया. कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने जो खुलासे किये उससे पुलिस के भी होश उड़ गए। खैरागढ़ एसपी त्रिलोक बंसल ने आज प्रेस कांफ्रेंस कर मामले का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि आरोपी नरसिंह वर्मा और आशीष मंडावी की पहचान जेल में हुई. जेल से छूटने के बाद दोनों ने पैसे कमाने के लालच में नकली शराब की फैक्ट्री खोलने का निर्णय लिया. स्प्रिट पानी और कुछ केमिकल से शराब बनाने की जिम्मेदारी नरसिंह वर्मा ने ली और नकली स्टीकर नागपुर से आशीष लाया करता था। एसपी बंसल से मिली जानकारी के अनुसार आरोपियों ने नकली शराब की फैक्ट्री दुर्ग जिले के धमधा के रौंदा गांव के एक फार्म हाउस में बनाया. वहीं से नकली शराब बनाने का खेल शुरू हुआ. नरसिंह नकली शराब को सरकारी शराब की तरह स्वाद देने के लिए खुद चख कर देखता था. वहीं गिरोह के बाकी सदस्य सरकारी शराब की खाली बोतलें जमा करते थे. नागपुर से आए नकली लेबल और ढक्कन से नकली शराब हुबहू असली जैसी बन कर तैयार हो जाती थी. जिसके बाद गिरोह के बाकी लोग नकली शराब लेकर आसपास के इलाके में बेच दिया करते थे। खैरागढ़ एसपी ने बताया कि फिलहाल पुलिस ने नकली शराब बनाने वाले इस गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ विभिन धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है. इसके अलावा पुलिस अब नकली लेबल और ढक्कन उपलब्ध कराने वाले अन्य आरोपियों की तलाश में भी जुट गई है।

भागवत कथा मनुष्य को भगवत बना देती है: अतुल कृष्ण

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, पूर्व महापौर रेणु ने लिया आशीर्वाद

कोरबा(विश्व परिवार)। ठण्डु राम परिवार (कादमा वाले) के द्वारा मेहर वाटिका में आयोजित हो रही कथा के तीसरे दिन व्यासपीठ से आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज ने कहा कि भागवत कथा मनुष्य को भगवत बना देती है। श्रीमद् भागवत कथा में ही ऐसी शक्ति है जो भटके हुए को रास्ता दिखाती है, बिगड़े हुए को सुधार देती है और दुष्टों का उद्धार कर देती है। गीता ज्ञान है, ज्ञान कैसा होने चाहिए, यह बातें भगवान ने भागवत में बताई हैं। आज की कथा में कपिल देव मुनि संवाद, ध्रुव चरित्र, शिव-सती प्रसंग का वर्णन किया गया। श्री भारद्वाज ने कहा कि जब बुद्धि भगवान में लग

जाए अथवा भगवान बुध्दि का वरण कर ले, तो समझ लें कि मनुष्य को ज्ञान की प्राप्ति हो गई है, क्योंकि यह बुद्धि ही है जो मनुष्य के विचारों एवं आचार को अपने आदेश पर चलाती है और मन के आदेश को मानती है। यदि बुद्धि भगवान में लग गई तो फिर उसमें ऐसे विचार आएंगे ही नहीं जिसमें किसी का अहित या नुकसान हो। जो भगवान के सामने रोते हैं उसे संसार के सामने नहीं रोना पड़ता और भगवान अपने भक्तों के लिए दौड़े चले आते हैं और उन्हें अपने पास रख लेते हैं। जिसे पूरी दुनिया में जाकर भी शांति नहीं मिलती, उसे भगवान के गोद में आकर शान्ति मिल जाती है। श्री भारद्वाज ने बताया कि भगवान ने अपने विराट स्वरूप का दर्शन केवल एक बार और एक ही को दिखाया है, वह भी महाभारत के युद्ध में अर्जुन को दिखाया है। इसके अलावा उन्होने किसी को भी अपने विराट स्वरूप के दर्शन नहीं दिए। कथा व्यास ने कहा कि भगवान के अपने धाम लौटने के साथ ही कलयुग प्रारम्भ हो गया और कलयुग ने अपने अत्याचार करने शुरू कर दिए। कलयुग ने बैल रूपी धर्म को मारा तो धर्म के तीन पैर टूट गए, लेकिन सत्य पर जो पैर था, वह नहीं टूटा और सत्य आज भी स्थापित है। जीवन का व्यवहार भी सत्य पर ही चलता है। उन्होने कहा है कि लोगों ने धर्म की परिभाष ही बदल डाली है। धर्म के चार स्तम्भ तप, सत्य, दया एवं पवित्रता हैं। कलयुग में मनुष्य से ना तो तप हो सकता है और ना ही भगवान की तरह दयालु हो सकता है। रही पवित्रता की बात तो वह भी जा रही है। केवल सत्य ही है, जो पहले भी स्थापित था और आज भी स्थापित है और कल भी रहेगा। आचार्य अतुल कृष्ण ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति का जो हाल है, उसके बिगड़ने का कारण दृष्टि, मन, मोबाईल, टीवी, फिल्म जैसे अनेक साधन सहज उपलब्ध हैं। आने वाले समय में इसके और भी दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे। आज से 100 वर्ष पहले की संस्कृति क्या थी? आज अखबारों के प्रत्येक पृष्ठों पर अपराध की खबरें हैं। क्या आज से 20 वर्ष पूर्व ऐसी हालत थी? आज पूरे समाज में प्रत्येक कर्मो में मिलावट आ गयी है, जिसका प्रतिशत 2 से 3 है, लेकिन आने वाले समय में यह और भी बढ़ेगी, उस समय में देश की हालत कैसी होगी ? मनुष्य के जीवन से जप तप, पवित्रता, दया और सत्यता नहीं रह गई हो तो हालत तो बिगड़ेंगे ही।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर मोइन अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नईदिल्ली(एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर मोइन अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीमित ओवर सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में नहीं चुना गया था। इंग्लैंड के लिए वह आखिरी बार 27 जून को गयाना में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ खेले थे। भारत ने इंग्लिश टीम को हराया था। 37 साल के मोईन ने कहा कि यह उनके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का सही समय है, ताकि युवाओं को टीम में ज्यादा से ज्यादा मौका मिल सके। मोईन ने कहा, मैं 37 साल का हूं और इस महीने ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए मुझे नहीं चुना गया। मैंने इंग्लैंड के लिए काफी क्रिकेट खेली है। लेकिन अब अगली पीढ़ी को मौका देने का वक्त आ गया है। मुझे भी इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा यही समझाया गया था। मुझे लगा कि यही समय सही है। इंग्लैंड के लिए 2014 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले मोईन ने कहा, मैंने इस टीम के लिए अपनी भूमिका पूरी कर ली है। मोईन पिछले काफी से इंग्लैंड की टीम के नियमित सदस्य रहे थे। उन्होंने सभी प्रारूपों में काफी योगदान दिया। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 68 टेस्ट, 138 वनडे और 92 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले। उन्होंने इंग्लैंड के लिए तीनों प्रारूपों को मिलाकर 6678 रन बनाए। इनमें आठ शतक, 28 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 366 विकेट भी लिए और अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का उच्च स्तर पर समापन किया। मोईन ने टेस्ट में पांच शतक और 15 अर्धशतक, वनडे में तीन शतक और छह अर्धशतक, जबकि टी20 में सात अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट में मोईन की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 53 रन देकर छह विकेट है। वनडे में उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 46 रन देकर चार विकेट और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 24 रन देकर तीन विकेट है। मोईन ने कहा, मुझे बहुत गर्व है। जब आप पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते हैं, तो आपको पता नहीं होता कि आप कितने मैच खेलने जा रहे हैं। इसलिए लगभग 300 मैच खेलने के बाद मुझे खुद पर गर्व है। मेरे पहले कुछ साल सिर्फ टेस्ट क्रिकेट खेलने को लेकर था। एक बार जब इयोन मोर्गन ने वनडे की कमान संभाली, तो खेलना ज्यादा मजेदार हो गया था। लेकिन टेस्ट क्रिकेट उचित क्रिकेट था। इंग्लैंड को अपने घर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 और पांच वनडे मुकाबले खेलने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम 11 सितंबर से इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। वनडे सीरीज 19 सितंबर से ट्रेंटब्रिज में शुरू होगी। मोईन 2019 में वनडे विश्व कप और 2022 में टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लिश टीम का हिस्सा रह चुके हैं। हालांकि, वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे और उन्हें उम्मीद है कि वे आगे चलकर कोचिंग टीम का भी हिस्सा बन सकते हैं।

व्यापार समाचार

सैमसंग के बेस्पोक एआई एप्लाएंसेज अब भारत में बनेंगे

रायपुर। भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने बताया कि उसकी नई एआई तकनीक वाली बेस्पोक घरेलू उपकरणों की रेंज अब भारत में ही बनाई जा रही है। भारतीय उपभोक्ताओं की खास जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए ये एआई-संचालित बेस्पोक घरेलू उपकरण स्मार्ट, किफायती और बिजली बचाने वाले समाधान देते हैं। ये भारतीय परिवारों के रोजमर्रा के कामों को संभालने के तरीके को बदलने के लिए तैयार हैं। साथ ही, इन उपकरणों में इनबिल्ट वाई-फाई और एआई चिप्स लगे हैं, जो यूजर्स की पसंद के अनुसार काम करते हैं, जिससे रोज़ के काम जल्दी, आसानी और अधिक कुशलता से पूरे हो जाते हैं। सैमसंग इन उपकरणों को भारत में बनाकर यह सुनिश्चित कर रहा है कि भारतीय उपभोक्ताओं को उनकी जरूरतों के हिसाब से बेहतरीन और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद मिलें। सैमसंग ने हाल ही में 10 नई बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीनें लॉन्च की हैं, जिन्हें चेन्नई में बनाया जा रहा है। ये 12 च्ल की बेस्पोक एआई वॉशिंग मशीनें खासतौर पर भारतीय उपभोक्ताओं के लिए बनाई गई हैं क्योंकि इनमें धुलाई के हर चरण में एआई तकनीक का इस्तेमाल होता है। ये मशीनें फ्लैट ग्लास डोर और आधुनिक एआई वॉश, एआई एनर्जी मोड, एआई कंट्रोल, और एआई इकोबबल जैसे फीचर्स के साथ आती हैं। एआई वॉश फीचर धुलाई के लिए कपड़े का वजन, कोमलता, जल और डिटर्जेंट का स्तर जैसे फैक्टर्स का ध्यान रखता है, जिससे आपको सबसे बेहतर धुलाई मिलती है।

आशीर्वाद बीकानेरी बेसन ने पारिवारिक प्यार और बंधन का जश्न मनाने के लिए रूपाली गांगुली के साथ मिलकर की एक खास पहल

रायपुर। आशीर्वाद ने जानी-मानी अभिनेत्री रूपाली गांगुली के साथ एक नयादिल को छू जाने वाला टीवी विज्ञापन पेश किया है। इस विज्ञापन में बारिश के मौसम से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा करते हुए एक सरल लेकिन गहरे पारिवारिक बंधन को दिखाया गया है। इस विज्ञापन में पूरा परिवार आशीर्वाद बीकानेरी बेसन से बने कुरकुरे, सुनहरे पकौड़ों का साथ बैठकर आनंद ले रहा है। आशीर्वाद बीकानेरी बेसन 100 प्रतिशत शुद्ध चना दाल से बना है, जिसे राजस्थान के बीकानेरसे लाया जाता है। इसकी खुशबू और एकसमान पिसाई को बरकरार रखने के लिए एडवांस्ड एयर क्लासीफायर मिल (एसीएम) तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इस प्रक्रिया के दौरान बेसन कोकिसी भी तरीके से हाथ के संपर्क में नहीं लाया जाता, जिससे इसकी स्वच्छता सुनिश्चित होती है। आशीर्वाद बेसन 45 से अधिक सख्त गुणवत्ता परीक्षणों सेगुज़रता है।

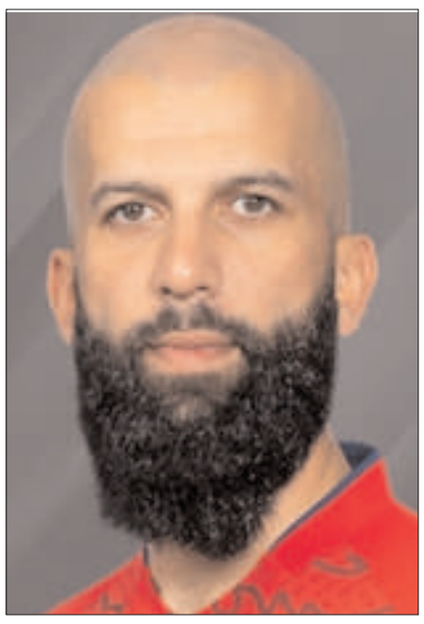

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने एनएसई मुख्यालय में एनएसई बुल की प्रतिष्ठित प्रतिमा का उद्घाटन किया और एक कॉफी टेबल बुक लॉन्च की

रायपुर। महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज एनएसई मुख्यालय में एनएसई बुल की प्रतिष्ठित प्रतिमा का उद्घाटन किया और 1.4 बिलियन सपनों को सशक्त बनाने की यात्रा नामक एक स्मारक कॉफी टेबल बुक लॉन्च की। इस अवसर पर एनएसई के एमडी और सीईओ श्री आशीष कुमार चौहान भी मौजूद थे। एनएसई बुल की प्रतिमा शक्ति, ताकत और लचीलेपन का प्रतिनिधित्व करती है - ऐसे गुण जो भारत के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। बैल के मजबूत पैर, प्रमुख कूबड़ और दुर्जेय उपस्थिति देश के मजबूत वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है। भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाली विविध पृष्ठभूमियों - जैसे कि एक स्कूल जाने वाला लड़का, एक ग्रामीण महिला और पेशेवर - से घिरी यह मूर्ति भारत के निवेश परिदृश्य की समावेशिता और एकता को रेखांकित करती है। यह प्रतिष्ठित रचना राष्ट्र के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है, जो आर्थिक प्रगति के एक साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं। एनएसई की कॉफी टेबल बुक, द जर्नी ऑफ एम्पावरिंग 1.4 बिलियन ड्रीम्स एनएसई के विकास और पिछले 30 वर्षों में भारत की विकास कहानी में इसके योगदान पर एक प्रतिबिंब है। 1994 में अपने परिचालन की शुरुआत के बाद से पिछले 30 वर्षों में, एनएसई ने भारत के पूंजी बाजारों में क्रांति ला दी है। यह पुस्तक भारत के विकास के लिए उत्प्रेरक और दर्पण के रूप में एनएसई की महत्वपूर्ण भूमिका का वर्णन करती है।

एयरटेल फाइनेंस ने उद्योग जगत में 9.1 प्रतिशत की सबसे ज़्यादा ब्याज़ दर पर पेश की सावधि जमा योजना

नई दिल्ली: भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल ('एयरटेल') ने आज अपनी डिजिटल शाखा, एयरटेल फाइनेंस के तहत एक सावधि जमा मार्केटप्लेस शुरू करने की घोषणा की है । यह सावधि जमा योजना 9.1त्न प्रति वर्ष तक की आकर्षक ब्याज दर पर उपलब्ध होगी। यह मार्केटप्लेस एयरटेल फाइनेंस को एयरटेल के थैंक्स ऐप फ्रेमवर्क के तहत निर्मित डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर एक सुनिश्चित रिटर्न और निश्चित आय निवेश विकल्प प्रदान करता है। यह योजना इसके पोर्टफोलियो में शामिल व्यक्तिगत ऋण, एयरटेल एक्सिस बैंक कोब्रांड क्रेडिट कार्ड, एयरटेल बजाज फिनसर्व इंस्टा ईएमआई कार्ड, क्रेडिट कार्ड मार्केटप्लेस और गोल्ड लोन की पेशकश को और मजबूत करती है। एयरटेल फाइनेंस के मुख्य व्यापार अधिकारी अंशुल खेत्रपाल ने कहा, हम लगातार ऐसे उत्पाद पेश करने के लिए नवाचार कर रहे हैं जो ग्राहक केंद्रित हों और इस प्रयास में आज हमें अपनी सावधि जमा योजना की घोषणा करते हुए अपार हर्ष हो रहा है।

स्टीव स्मिथ को ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम में जगह मिलनी चाहिए : मार्क टेलर

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मार्क टेलर ने स्टीव स्मिथ को टी20 टीम में वापस बुलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद शीर्ष क्रम की योजना को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई टी20 फॉर्मेट टीम में कमबैक करने के लिए स्टीव स्मिथ काफी समय से संघर्ष कर रहे हैं। जून में पुरुषों के टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण से बाहर होने के बाद, दाएं हाथ के बल्लेबाज को स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के दौरे के लिए भी टी 20 टीम में नहीं चुना गया था। ऑस्ट्रेलिया ने युवा जेक फ्रेजर मैकगर्क को टीम में शामिल

करने का विकल्प चुना, जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ हाल ही में सीरीज जीत में दो बार शून्य पर आउट होने के अलावा 16 रन की पारी भी खेली थी। टेलर ने नाइन के वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स शो में कहा, मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि ऑस्ट्रेलिया अब डेविड वॉर्नर की जगह शीर्ष क्रम में क्या करता है। ऐसा लगता है कि इस समय अधिक से अधिक बल्लेबाजों को शामिल करने की बात हो रही है। अंतत: उनमें से एक बल्लेबाज बाहर हो जाएगा। मुझे लगता है कि यह योजना थोड़ी पेचीदा है, क्योंकि मैं स्टीव स्मिथ को हमारे क्रम में वापस देखना चाहता हूं। टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को सेंट विंसेंट में अफगानिस्तान के हाथों 21 रन से हार का सामना करना पड़ा था। टेलर का मानना है कि इस हार से पता चलता है कि टीम को स्मिथ जैसे खिलाड़ी की कमी क्यों खली। उन्होंने कहा कि वह टूर्नामेंट के 2026 संस्करण में भी स्मिथ को देखना पसंद करेंगे।

भारत ने चीन को छोड़ा पीछे, एमएससीआई ईएम आईएम सूचकांक में हासिल किया शीर्ष स्थान

नई दिल्ली(एजेंसी)। मॉर्गन स्टेनली ने घोषणा की है कि एमएससीआई उभरते बाजार निवेश योग्य सूचकांक ((इमर्जिंग मार्केट्स इन्वेस्टेबल मार्केट इंडेक्स, एमएससीआई ईएम आईएमआई) में भारत ने अपने भारित मूल्य के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। भारत में अब इसका भार 22.27 प्रतिशत है, जो चीन के 21.58 प्रतिशत से अधिक है। एमएससीआई आईएमआई में 3,355 स्टॉक शामिल हैं, जिसमें बड़ी, मध्यम और छोटी कैप कंपनियां शामिल की जाती हैं। यह सूचकांक उभरते बाजारों वाले 24 देशों के स्टॉक को कवर करता है और प्रत्येक देश में निवेशकों के लिए उपलब्ध लगभग 85 प्रतिशत (फ्री फ्लोट एडजस्टेड) बाजार

पूंजीकरण को कवर करने का लक्ष्य रखता है। मुख्य एमएससीआई ईएम सूचकांक (मानक सूचकांक) में बड़ी और मध्यम कैप कंपनियां शामिल होतीं हैं, वहीं आईएमआई को बड़ी, मध्यम और छोटी कैप स्टॉक के साथ अधिक व्यापक बनाया गया है। एमएससीआई आईएमआई में चीन के मुकाबले भारत का अधिक भार, छोटी-कैप की अधिक भारित क्षमता के कारण है। विश्लेषकों के अनुमान के अनुसार, एमएससीआई ईएम आईएमआई में हुए इस बदलाव के बाद भारतीय इक्विटी में लगभग 4 से 4.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रवाह दिखाई दे सकता है।

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने वर्ल्ड ईवी डे पर इको-फ्रेंडली परिवहन को नई परिभाषा देते हुए ई-ब्लू सिटी लॉन्च किया

बिलासपुर: नए-नए तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों बनाने वाली प्रमुख कंपनी, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने वर्ल्ड ईवी डे पर ई-ब्लू सिटी को लॉन्च किया है। ऑटो के आकार का यह नया ई-रिक्शा शहरों में यात्रा करने के अंदाज को बदलने के लिए तैयार है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 1,99,999 रुपये है। ई-ब्लूसिटी को शहरों में यात्रा करने के लिए स्थायी और प्रभावी साधनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। ई-ब्लू सिटी में ड्राइवर के अलावा चार लोग आराम से बैठ सकते हैं। यह भीड़भाड़ वाली शहर की गलियों में घूमने का आदर्श विकल्प है। ई-ब्लू सिटी के आयाम को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। इसमें 2170 एमएम का व्हीलबेस, 993 एमएम की कुल चौड़ाई, 2795 एमएम की कुल

लंबाई और कुल मिलाकर 1782 एमएम की ऊंचाई शामिल है। 240 एमएम की न्यूनतम ग्राउंड क्लीयरेंस की वजह से यह ई-रिक्शा शहरों में अलग-अलग जगहों तक आराम से जा सकता है। ई-रिक्शा का डिजाइन ऑटो के आकार का बनाया गया है। इसे चलाते समय ड्राइवर को सामने का ट्रैफिक स्पष्ट रूप से नजर आता है। इसमें एक ऑटोमैटिक वाइपर भी दिया गया है, जो इसमें सफर करने वाले लोगों की सुविधाओं को और बढ़ाता है। प्रदर्शन के लिहाज से, ई-ब्लू सिटी, 25 किमी प्रति घंटे की रेंज प्रदान करता है। एक बार चार्ज करने पर यह 95 किमी की सामान्य ड्राइविंग रेंज प्रदान करता है। इसका ग्रेडेबिलिटी और रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम इसे शहरी परिवहन के लिहाज से ऊर्जा की बेहतर बचत का विकल्प बनाते हैं। गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के डायरेक्टर और सीईओ श्री हैदर खान ने इस लॉन्च के बारे में कहा, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स की कंपनी बिजली से चलने वाली गाड़ियों को और बेहतर बनाने की कोशिश कर रही है। उनका लक्ष्य है कि हर कोई आसानी से और प्रदूषण रहित गाड़ी चला सके। ई-ब्लू सिटी इसी कोशिश का हिस्सा है। इस गाड़ी को बनाने में इस बात का खास ध्यान रखा गया है कि यात्री और ड्राइवर दोनों को यात्रा करने में बहुत मज़ा आए। लेकिन सिर्फ अपनी गाड़ी का होना ही काफी नहीं है। बसों और अन्य सार्वजनिक वाहनों को भी प्रदूषण मुक्त बनाना बहुत ज़रूरी है। वर्ल्ड ईवी डे पर ई-ब्लू सिटी को पेश करके कंपनी ने दिखाया है कि वे एक हरा-भरा और बेहतर भविष्य चाहते हैं। कंपनी को पूरा यकीन है कि यह गाड़ी भारत के शहरों में यात्रा करने के तरीके को बदल देगी। यह दिखाता है कि कंपनी नई-नई ग?ाड़ियां बनाने और पर्यावरण को बचाने के लिए हमेशा तैयार रहती है।卐 ई-ब्लूसिटी के दिल में एक शक्तिशाली ली-आयन बैटरी है, जिसका वोल्टेज 51.2वी और क्षमता 100एएच है, जो 1.6 किलोवॉट की पीक पावर और 20एनएम का पीक टॉर्क सुनिश्चित करती है।

अरीना सबालेंका ने यूएस ओपन महिला एकल का खिताब जीता

न्यूयॉर्क(एजेंसी)। बेलारूस की अरीना सबालेंका ने अमेरिकी ओपन महिला एकल का खिताब जीत लिया है। यह पहली बार है जब उन्होंने अमेरिकी ओपन का खिताब जीता है। यह उनका तीसरा ग्रैंडस्लैम खिताब है। इससे पहले वहह 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इसके अलावा वह 2021 और 2023 में विंबलडन और 2023 में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं।

उनकी मौजूदा रैंकिंग नंबर दो है। सबालेंका ने फाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को लगातार सेटों में 7-5, 7-5 से शिकस्त दी। आज पुरुष एकल का सेमीफाइनल यानिक सिनर और टेलर फ्रिट्ज के बीच खेला जाएगा। दूसरे सेट में एक वक्त पेगुला ने 3-0 की बढ़त ले थी और उन्होंने फिर 5-3 की बढ़त भी बनाई थी। सेट जीतने के लिए बस एक और पॉइंट हासिल करने की जरूरत थी। हालांकि, सबालेंका ने जबरदस्त वापसी की और टाई ब्रेकर में 7-5 से अपने नाम किया। दोनों सेट सबालेंका ने टाई ब्रेकर में ही जीते। बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने 40 विनर्स लगाए और 2016 में एंजेलिक कर्बर के बाद एक ही सीजन में दो हार्डकोर्ट मेजर पर कब्जा करने वाली पहली महिला बन गईं। सबालेंका 2023 में फाइनल में कोको गॉफ से हार गई थीं। इस मैच को देखने के लिए कोर्ट में करीब 23 हजार दर्शक मौजूद थे।

एमवे ने भारत में चार नई अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए $4 मिलियन का निवेश किया

नईदिल्ली। स्वास्थ्य और खुशहाली में अत्याधुनिक, अगली पीढ़ी का समर्थन प्रदान करने के लिए अपनी वैज्ञानिक क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, वैश्विक स्वास्थ्य और खुशहाली समर्थक कंपनी के रूप में, एमवे ने 4 मिलियन डॉलर के निवेश के साथ आज औपचारिक रूप से भारत भर में अपनी चार अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) प्रयोगशालाओं की शुरुआत की। उन्नत प्रौद्योगिकी, समकालीन विज्ञान और वैज्ञानिक विचार नेतृत्व का उपयोग करके, ये प्रयोगशालाएं सुरक्षित, प्रभावी, विशिष्ट और उच्च गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य और खुशहाली के उत्पादों को विकसित करके उद्योग मानकों को पुनर्परिभाषित करने के लिए तैयार हैं, जिनका उद्देश्य भारत और दुनिया भर में लोगों के स्वास्थ्य और खुशहाली का समर्थन करना है। यह दुनिया भर में एमवे के चार अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) केंद्रों में से एक है और इसमें पोषण विज्ञान पर भारी ध्यान दिया गया है। यह रणनीतिक कदम एमवे के उपभोक्ताओं की बदलती स्वास्थ्य और खुशहाली से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रयासों के अनुरूप है, जो लाखों लोगों को मनचाही खुशहाली प्राप्त करने में समर्थ बनाता है और सभी के लिए स्वस्थ भविष्य को बढ़ावा देता है। एमवे की गुरुग्राम, चेन्नई, बैंगलोर और दिंडीगुल में स्थित चार अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएँ कुल मिलाकर 24,700 वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र पर फैली हुई हैं। ये वैज्ञानिक खोज और अभिनव उत्पाद विकास का शक्तिशाली केंद्र बनाती हैं। एमवे इंडिया के व्यावसायिक दृष्टिकोण से इस निवेश के बारे में बात करते हुए, एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक राजनीश चोपड़ा ने कहा, भारत में पोषण और स्वास्थ्य के प्रति परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, क्योंकि यहाँ का स्वास्थ्य परिदृश्य पोषण, जीवनशैली और पेट के स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह निवेश एमवे इंडिया की उत्पाद विकास क्षमताओं को बढ़ाता है और एमवे को भारत और दुनिया भर में अपने उपभोक्ताओं और व्यवसायों की विशिष्ट और उभरती जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए तैयार करता है। भारत, वैश्विक स्तर पर हमारे शीर्ष प्राथमिकता वाले बाजारों में से एक है और यह निवेश स्वास्थ्य और खुशहाली के क्षेत्र में अभूतपूर्व नवाचार को आगे बढ़ाने में देश की विशेषज्ञता और क्षमता पर एमवे ग्लोबल के विश्वास को उजागर करता है। पिछले एक चौथाई सदी से अधिक समय से, एमवे इंडिया ने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली जीने में मदद करके उनका क्विश्वास अर्जित किया है। स्वस्थ राष्ट्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में हम अपने वितरकों को सशक्त बनाना चाहते हैं,

वैश्विक सहकारिता सम्मेलन - 2024 का आयोजन भारत में

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन के 130 साल के लंबे इतिहास में पहली बार इफ्को की पहल पर भारत द्वारा आईसीए महासभा और वैश्विक सहकारिता सम्मेलन की मेजबानी की जाएगी। आईसीए निदेशक मंडल की 28 जून 2023 को ब्रुसेल्स में आयोजित बैठक के दौरान इफ्को ने आईसीए महासभा और वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी भारत में करने का प्रस्ताव रखा था जिसे निदेशक मंडल के सदस्यों ने सहर्ष मंजूर कर लिया। इसके पश्चात संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि भारत में वैश्विक सहकारिता सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का आधिकारिक शुभारंभ भी होगा। माननीय सहकारिता मंत्री, भारत सरकार, श्री अमित शाह की गरिमामयी उपस्थिति में 25 नवंबर 2024 को शाम 3 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। वे मुख्य अतिथि के रूप में वैश्विक सहकारिता सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगे। इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 पर एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया जाएगा। भारत के माननीय प्रधानमंत्री से इस कार्यक्रम के विधिवत उद्घाटन के लिए अनुरोध किया गया है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 10 सितंबर 2024

व्हीआईपी गेट रेलवे समपार फाटक पर मरम्मत के लिये सड़क यातायात बंद रहेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर रेल मंडल आर.व्ही.एच-मंदिरहसौद के मध्य अप लाईन (कि.मी.4/19-21) दिनांक 09.09.2024 को रात्रि 10:00 बजे से दिनांक 10.09.2024 को दोपहर 12:00 बजे तक बंद रहने के संबंध में आवश्यक मरम्मत कार्य के कारण समपार फाटक से वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। समपार फाटक की मरम्मत करना रेल यातायात व यात्रियों की संरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक हैं।

संक्षिप्त समाचार

अखिल जैन को उत्कृष्ट किसान सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी विभाग छत्तीसगढ़ शासन और भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में श्री बलराम जयंती पर सोमवार को किसान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक खेती और गौ आधारित कृषि में उल्लेखनीय योगदान के लिए मनोहर गौशाला खैरागढ़ के ट्रस्टी अखिल जैन (पदम डाकलिया) को उत्कृष्ट किसान सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दिया। कार्यक्रम में जैन ने फसल अमृत के संबंध में भी प्रकाश डाला। इस मौके पर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, डायरेक्टर ऑफ रिसर्च डॉ. विवेक त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद थे।

कांग्रेस पर जमकर बरसी भाजपा नेत्री राधिका खेड़ा, प्रेस कान्फ्रेंस कर कही बड़ी बात

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुई राधिका खेड़ा सोमवार को राजधानी रायपुर पहुंची। जहां उन्होंने कांग्रेस पर जमकर तीखे किए। अपने साथ राजीव भवन में हुई घटना का राधिका खेड़ा ने फिर उल्लेख किया, उन्होंने कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला का जिक्र करते हुए जमकर निशाना साधा। उन्होंने राजीव भवन में अपने साथ हुई अभद्रता का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर न्याय ना देने का आरोप लगाया है। उन्होंने आगे कहा कि, कांग्रेस घर की महिला को न्याय नहीं दे सकती। इनको प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। राहुल गांधी महिलाओं के हक में आवाज उठाने से डरते हैं। उन्होंने आगे कहा कि, तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल न्याय दिलाना छोड़ कका से कंस बन गए। अपने घर वाले कंस बन जाए तो महिला को दुर्गा बनना पड़ता है। मिली जानकारी के मुताबिक भाजपा नेत्री राधिका खेड़ा ने कहा कि, राहुल गांधी विदेश जाकर महिलाओं के हितों की बड़ी- बड़ी बात करते हैं। मगर अपनी ही पार्टी की महिलाओं को न्याय नहीं दिला पाते हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय मुख्यालय में महिलाओं को पीटा जाता है। राहुल जी से पूछना चाहती हूं कि, महिलाओं के लिए बड़ी- बड़ी बातें करने से पहले वो सोचते क्यों नहीं हैं? अपनी पार्टी की महिलाओं से कहते हैं, न्याय मत मांगो और चुप रहो।

जो क्षमा मांग लेता है उससे बड़ा दूसरा कोई नहीं, ऐसा महान जैन धर्म है : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत तपस्वियों के बहुमान समारोह में हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य और राजधानी रायपुर के लिए 9 सितंबर को परम गौरव का क्षण रहा। हमारी धरती पर अनराधार आराधना की ऐसी बौछार शायद प्रथम बार हुई है। सर्व सिद्धि दायक श्री सिद्धि तप की कठिन तपस्या को 115 शूरवीर साधकों ने कर दिखाया है। श्री सिद्धि तप की पूर्णाहुति पर बूढ़ापारा स्थित सरदार बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में सिद्धि तप के तपस्वियों के लिए सामूहिक पारणोत्सव का आयोजन हुआ। सिद्धि तप के तपस्वियों के बहुमान समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह,सांसद बृजमोहन अग्रवाल,पूर्व मंत्री व विधायक राजेश मूणत शामिल हुए। मुख्यमंत्री सहित अतिथियों ने सिद्धि तप के तपस्वियों का बहुमान किया और तप की अनुमोदना की।

श्री सिद्धि शिखर विजयोत्सव के मंच में विराजमान जैन संतों और साध्वी जी भगवंतों को नमन करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि माता कौशल्या की धरती, प्रभु राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की पावन धरा धन्य है, यहां पर ऋषि मुनियों, साधु संतों का आगमन होता रहता है। सदैव संतों का आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है। आज जैन समाज के तपस्वियों में 11 साल का हमारा बेटा और 80 साल की माताजी भी शामिल है। आज तपस्वियों का स्वागत अभिनंदन करने का सौभाग्य मिला। जैन संतों का त्याग, तपस्या, संयम,खान- पान,दिनचर्या,बगैर पादुका के सदैव पैदल चलना और जैन समाज में क्षमा मांगने की परंपरा है। जो क्षमा मांग लेता हैं उससे बड़ा दूसरा कोई नहीं, ऐसा महान जैन धर्म है। संतों के आशीर्वाद से संपन्न 115 तपस्वियों की सिद्धि तप की तपस्या से छत्तीसगढ़ में खुशहाली,सबके घर में सुख समृद्धि हो ऐसी कामना करता हूं।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सिद्धि शिखर विजय उत्सव के मंच से छत्तीसगढ़ की ओर से जैन संतों और साध्वी भगवंतों का स्वागत करते हुए प्रणाम किया। उन्होंने कहा कि 115 तपस्वियों ने गुरु महाराजों की प्रेरणा से अद्भुत तप किया। निश्चित रूप से उनकी सिद्धि का लाभ न केवल उनके परिवार बल्कि छत्तीसगढ़ के लिए भी हितकारी रहेगा। छत्तीसगढ़ ऋषि भूमि, कृषि भूमि है,यहां सदैव संतों का आशीर्वाद मिलता रहा है। हमारा सौभाग्य है कि जैन संत रायपुर में चातुर्मास कर रहे हैं। यह कठिन तप गुरुओं के आशीर्वाद से संभव हुआ है। गुरुओं की प्रेरणा मिली और तप और जप का लाभ हुआ। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ निश्चित रूप से विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा और सुख,शांति और समृद्धि बढ़ेगी।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सिद्धि शिखर विजय उत्सव के मंच में विराजमान गुरु भगवंतो के चरणों में प्रणाम करते हुए कहा कि तपस्वियों ने जो कठिन सिद्धि तप किया है ये इन्हें शिखर पर पहुंचाएगा। मन, शरीर,आत्मा पर विजय प्राप्त करने वाले तपस्वियों को मैं शुभकामना देता हूं। यह तपस्या जन्मभूमि, कर्मभूमि,जीने की भूमि छत्तीसगढ़ को समृद्धशाली, वैभवशाली बनाएगी। चातुर्मास में गुरुदेवों के आगमन छत्तीसगढ़ की पावन भूमि धन्य हुई है। आज इस मंच से मैं भी यदि कोई गलती हुई है तो मन, वचन, काया से क्षमा मांगता हूं।

बहुमान समारोह में ओजस्वी प्रवचनकार मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी ने आशीर्वचन में कहा कि अमेरिका के भूतपूर्व उपराष्ट्रपति ने अपनी किताब में लिखा कि चलो एक ऐसा धर्म बनाएं जो अहिंसा और करुणा में विश्वास रखता हो। मुनिश्री ने कहा कि ऐसा कोई धर्म बनाने की जरूरत नहीं है। एक ऐसा धर्म है जो अहिंसा और करुणा का समर्थन करता है जो किसी जीव का दिल दुखाना की जरूरत नहीं करता, जिसमें एवरेस्ट की ऊंचाई भी है और अटलांटिक की गहराई भी है, इस धर्म का नाम जैन धर्म है।

दो मरीजों के छाती के अंदर एवं हार्ट के ऊपर स्थित ट्यूमर की अम्बेडकर अस्पताल में सफल सर्जरी

विभाग में छाती एवं फेफड़े से संबंधित सभी प्रकार के ट्यूमर/कैंसर के हो रहे हैं ऑपरेशन

रायपुर (विश्व परिवार)। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबध्द डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग में क्रमशः दो मरीजों के छाती के अंदर और हार्ट के ऊपर स्थित दुर्लभ मेडिस्टाइनल ट्यूमर का सफल ऑपरेशन डॉ. कृष्णकांत साहू (विभागाध्यक्ष) एवं टीम द्वारा किया गया। डॉ. कृष्णकांत साहू के नेतृत्व में एवं कुछ दिन के अंतराल में ही एक के बाद एक मेडिस्टाइनल ट्यूमर की ऐसी दुर्लभ तथा क्रिटिकल सर्जरी कर इस विभाग ने कीर्तिमान रच दिया। सर्जरी के बाद दोनों ही मरीज स्वस्थ हैं। इसमें से एक मरीज की उम्र 32 साल है तथा दूसरे मरीज की उम्र 05 वर्ष है।

डॉ. कृष्णकांत साहू के अनुसार, पहले केस में 32 वर्षीय मरीज को 10 महीने से छाती में भारीपन, खाँसी एवं सांस लेने में तकलीफ थी। दो साल पहले मरीज को इस बीमारी के बारे में पता चला परन्तु ऑपरेशन के लिए हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। यह ट्यूमर (कैंसर) हार्ट के ऊपर स्थित था, एवं बांयें फेफड़े और फेफड़े की मुख्य नस (मेन पल्मोनरी आर्टरी) से चिपका था जिसके कारण इस ट्यूमर को निकालना बेहद ही क्रिटिकल था। ट्यूमर का वजन लगभग 1.5 किलोग्राम था और यह दिल के आकार से भी बड़ा करीब 12ङ्क10ङ्क10 सेमी का था।

जांजगीर-चांपा निवासी और CSEB में वेल्डर का काम करने वाले व्यक्ति को लगभग 10 माह से सीने में भारीपन, सांस फूलने एवं सूखी खाँसी की शिकायत थी। सीटी स्कैन कराने पर पता चला कि इसके हृदय के ऊपर बहुत बड़ा ट्यूमर (कैंसर गांठ) है, जो कि हृदय फेफड़ा एवं मेन पल्मोनरी आर्टरी से बुरी तरह चिपका हुआ है। जब मरीज को ऑपरेशन के रिस्क के बारे में बताया गया तो मरीज बहुत अधिक घबरा गया, परन्तु समझाने के बाद ऑपरेशन के लिए तैयार हो गया। मरीज के हार्ट के ऊपर से लगभग 1.5 किलोग्राम का ट्यूमर निकाला गया। ट्यूमर के साथ ही साथ आस-पास फैले हुए लिम्फ नोड को भी अच्छी तरह से निकाला गया जिससे पुन: कैंसर होने की संभावना न रहे। यह मरीज पूर्ण स्वस्थ्य होकर अस्पताल से आज डिस्चार्ज हो गया है।

डॉ. कृष्णकांत साहू दूसरे केस के संबंध में जानकारी देते हुए बताते हैं कि कुछ दिन पहले रायगढ़ के 05 साल के बच्चे के हृदय के ऊपर स्थित लगभग 2.5 किलोग्राम के मेडिस्टाइनल ट्यूमर को जटिल सर्जरी द्वारा निकाला गया। यह ट्यूमर आकार में बहुत ही बड़ा लगभग आधा छाती के बराबर था एवं फेफड़े, महाधमनी, पल्मोनरी आर्टरी और हार्ट से इतना ज्यादा चिपका हुआ था कि इसे कई अन्य सेंटरो में ऑपरेशन के लिये मना कर दिया गया था।

मेडिकल भाषा में इस मेडिस्टाइनल ट्यूमर को इमैच्योर टैरेटोमा कहा जाता है। बच्चे के माता-पिता का कहना था कि इसके ऑपरेशन के लिए बच्चे को कई बड़े-बड़े अस्पतालों में ले गए थे परन्तु वहाँ सबने मना कर दिया एवं अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग में रिफर कर दिया। ट्यूमर इतना विशाल और फैला हुआ था कि इसका ऑपरेशन बिलकुल नामुमकिन सा लग रहा था इसलिए मरीज के माता-पिता को यह भी बता दिया गया था कि हो सकता है यह ट्यूमर न निकल पाये और वैसे ही उसी स्थिति में छोड़ना पड़ेगा। फिर भी मरीज के माता-पिता आपरेशन के लिए तैयार हो गए। ट्यूमर को निकालने के लिए सीना एवं छाती पसली में दोनों ओर से चीरा लगाकर ऑपरेशन करना पड़ा। इस बच्चे के लिए हार्ट लंग मशीन को भी तैयार करके रखना पड़ा था, क्योंकि यदि आपरेशन करते-करते कहीं बड़ी नस या हार्ट फट जाती तो इस मशीन से जान बचाने में सहायता मिल जाती। ट्यूमर को बहुत प्रयास करके पूरी तरह निकाल दिया गया। सर्जरी के बाद यह बच्चा एकदम स्वस्थ है और स्कूल जाना भी प्रारंभ कर दिया है।

अवैध कब्जे पर चला निगम का बुल्डोजर, मजार और दुकानों को किया जमींदोज

भिलाई (विश्व परिवार)। भिलाई नगर निगम ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर-भिलाई हाईवे पर एक मस्जिद के पास अवैध कब्जे को ध्वस्त कर दिया है। बता दे की गम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में 12 से अधिक दुकानों और मजार के पीछे कई अवैध कब्जों समेत सैलानी दरबार का ऊंचा गेट भी जमीदोज कर दिया है। जानकारी के अनुसार। यहां सुपेला स्थित मस्जिद सैलानी बाबा दरबार (करबला मैदान) के आसपास अवैध कब्जा था। तीन दिन पहले ही भिलाई नगर निगम ने सभी को नोटिस जारी किया था। नोटिस का समय खत्म होने पर सीधे बुलडोजर एक्शन हुआ। जानकारी के मुताबिक नगर निगम ने सोमवार सुबह पांच बजे अवैध कब्जे को हटाने की कार्रवाई शुरू की। चार घंटे बाद सुबह नौ बजे तक अभियान चला। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात था। नगर निगम ने तीन दिन में कब्जा हटाने का निर्देश दिया था।भिलाई नगर निगम ने शहर के कई इलाकों में अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई की। मौर्य चंद्र टॉकीज के पास भी अवैध कब्जों को हटाया गया। मजिस्द और मजार के आसपास बनी अवैध 22 दुकानों पर भी बुलडोजर गरजा। सर्विस रोड पर भी अतिक्रमण के खिलाफ निगम का अभियान चला। निगम ने अभियान में 10 जेसीबी, 30 डंपर और दो चेन माउंटर का इस्तेमाल किया।

जानकारी के मुताबिक सैलानी बाबा दरबार को 2.5 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। मगर इस जमीन पर लोगों ने अवैध कब्जा जमा लिया। यहां तक कि दुकान, दफ्तर और चबूतरों का निर्माण भी कर लिया था। निगम की कार्रवाई के दौरान एडीएम, एसडीएम और तहसीलदार समेत 100 से अधिक पुलिस के जवान तैनात रहे। मिली जानकारी मुताबिक शासन ने भिलाई के कलेक्टर को 120 दिन में अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई का समय दिया था। इसके बाद नगर निगम ने कलेक्टर के आदेश पर अवैध कब्जे को हटाने का नोटिस जारी किया। नोटिस की समयावधि पूरी होने पर बुलडोजर से अवैध निर्माण को ढहा दिया गया।

सहकारिता विभाग छत्तीसगढ़ शासन के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक पंडरी शाखा में खोले खाते

रायपुर (विश्व परिवार)। 'सहकार से समृध्दि' अंतर्गत सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्राथमिक सहकारी साख समितियों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने हेतु की गई पहल के संबंध में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य की समीक्षा बैठक रायपुर में दिनांक 25 अगस्त 2024 को माननीय श्री अमित शाह, गृह एवं सहकारिता मंत्री भारत सरकार द्वारा लिया गया, जिसमें निर्देशित किया गया है, कि सहकारी संस्थाओं एवं उनमें कार्यरत सभी अधिकारियों /कर्मचारियों का खाता सहकारी बैंकों में होना चाहिए। इसी संदर्भ में डॉ श्री सी. आर. प्रसन्ना, सचिव, सहकारिता विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आज छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित रायपुर के पण्डरी शाखा, रायपुर में अपना बचत खाता खोला गया।

उनके द्वारा निर्देशित किया गया कि सहकारी संस्थाओं एवं अन्य संस्थाओं के वेतनभोगी कर्मचारियों का बचत खाता शाखा में खोला जाये तथा अकृषि ऋण योजनाओं अंतर्गत आवास ऋण, भूखण्ड ऋण और व्यक्तिगत ऋण का प्रचार प्रसार किया जाकर आवंटित लक्ष्य की पूर्ति किया जाये और सहकारिता को अधिक सुदृढ़ बनाया जाये।

युवाओं ने बताए जैन होने के लक्षण, पर्यूषण पर्व के पहले दिन उत्तम क्षमा धर्म मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। दस दिनों तक चलने वाले दिगंबर जैन समाज के पर्वाधिराज पर्यूषण आरंभ हो चुके हैं। जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोग विशेष साधना, तप, व्रत, उपवास और भक्ति आराधना में लीन हैं। डीडी नगर स्थित श्री 1008 वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में भक्तिमय माहौल के बीच सुबह 6.30 बजे से ही भक्तों की भीड़ उमड़ रही हैं। इंदौर से आए संगीतकार विकल्प जैन और राशि जैन की विशेष टीम के द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति दी जा रही है। म्यूजिक दल की संगीतमयी धुनों के साथ बाल ब्रह्मचारी अरूण भैया के सानिध्य में श्री जी का अभिषेक और शांतिधारा कराई गई। उनके द्वारा पर्व की महत्ता को देखते हुए सोलहकारण पूजन, पंचमेरू पूजन, समुच्चय पूजन, दसलक्षण पूजन तथा दसलक्षण विधान सहित प्रथम दिवस उत्तम क्षमा धर्म की विशेष पूजाएं और महाअर्घ्य समर्पित कराए गए। उत्तम क्षमा धर्म के बारें में प्रवचन करते हुए अरूण भैया ने कहा कि क्षमा करने से परिणामों से सरलता आती है और मोक्ष मार्ग की तरफ प्रशस्त होते हैं। जबकि क्रोध करने से शरीर में कई तरह के विकृत हॉर्मोन्स उत्पन्न होते हैं जो बीमारियों को पैदा करते हैं। इसके लिए क्षमा धारण करना चाहिए जो कि जैन धर्म का मूल है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में आदिश्वर महिला मंडल द्वारा युवा पीढ़ी के लिए आइए जाने कौन हैं जैन श्रावक आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। उन्होंने जैन श्रावक की पहचान और लक्षणों के बारे में बताया साथ ही जैन और जैनत्व के परिचायक मूल गुणों के बारे में भी अपने विचार रखे। जिसके तहत् देव पूजा, गुरू उपासना, स्वाध्याय, संयम, तप, दान, नित्य देव दर्शन, रात्रि भोजन का त्याग, पानी छानकर पीना, सप्त व्यसन परित्याग जैसे विषयों पर गंभीर चिंतन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में तनिश जैन, रिद्धिमा जैन, लक्ष्य जैन, रितिका जैन, आभास जैन, अनन्या जैन, आहना, मानसी, अंशी, डॉ.श्रेया जैन, संस्कार, अनुदिश तथा दर्शिल जैन ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की संयोजक वर्षा जैन व डॉ. मंजुला जैन थीं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. विशाल जैन द्वारा सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन सेवा समिति के नरेश जैन, विकास जैन, राजेश जैन, आशीष जैन, अनुराग जैन, एम के जैन, मनोज जैन, दीपक जैन, शशिकांत जैन सहित प्रभा जैन, नंदा जैन, श्रृद्धा जैन, ममता जैन, मीना जैन, अर्जलि, कामाक्षी जैन सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

पर्वराधिराज पर्युषण महापर्व दिगंबर जैन मंदिरों में धार्मिक वातावरण में उत्साह के साथ मानते है राजधानी वासी : नरेश सिंघई

रायपुर (विश्व परिवार)। भाद्रपद मास में पड़ने वाले दिगंबर जैन धर्म के पर्युषण महा पर्व में राजधानी रायपुर के सभी दिगंबर जैन मंदिरों में महापर्व को लेकर काफी उत्साह है। सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष नरेश सिंघई ने बताया की दश लक्षण पर्व को पर्युषण महापर्व कहा जाता है। यह पर्व भाद्रपद मास की पंचमी से शुरू होकर भाद्रपद चतुर्दशी तक मनाया जाता है। जैन धर्म में इसे 12 वे तीर्थंकर श्री वासुपुज्य भगवान के मोक्षकल्याणक के रूप में भी मनाया जाता है। जैन धर्मावलंबियों द्वारा यह पर्व आत्मा को पवित्र बनाने के लिए मनाया जाता है।जैन धर्म में पर्यूषण पर्व का एक अलग ही महत्व है. इस पर्व को सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है, इसलिए पर्यूषण पर्व को महापर्व भी कहा जाता है. जैन धर्म में यह पर्व दस दिन तक मनाया जाता है. जैनियों द्वारा इसे दशलक्षण पर्व के रुप में भी मनाया जाता है। दस दिन तक जैन धर्मावलंबिय अलग-अलग नियम, धर्म, व्रत और कर्म करते हैं. जिससे उन्हें सभी पापों से मुक्ति मिलती और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

दिगंबर जैन समाज में पयुर्षण पर्व/ दसलक्षण पर्व के प्रथम दिन उत्तम क्षमा, दूसरे दिन उत्तम मार्दव, तीसरे दिन उत्तम आर्जव, चौथे दिन उत्तम शौच, पांचवें दिन उत्तम सत्य, छठे दिन उत्तम संयम, सातवें दिन उत्तम तप, आठवें दिन उत्तम त्याग, नौवें दिन उत्तम आकिंचन तथा दसवें दिन ब्रह्मचर्य तथा अंतिम दिन क्षमावाणी के रूप में मनाया जाता है।

ये हैं दशलक्षण के 10 पर्व- क्षमा- सहनशीलता। क्रोध को पैदा न होने देना। क्रोध पैदा हो ही जाए तो अपने विवेक से, नम्रता से उसे विफल कर देना। अपने भीतर क्रोध का कारण ढूंढना, क्रोध से होने वाले अनर्थों को सोचना, दूसरों की बेसमझी का ख्याल न करना। क्षमा के गुणों का चिंतन करना। मार्दव- चित्त में मृदुता व व्यवहार में नम्रता होना। आर्जव- भाव की शुद्धता। जो सोचना सो कहना। जो कहना सो करना। शौच- मन में किसी भी तरह का लोभ न रखना। आसक्ति न रखना। शरीर की भी नहीं। सत्य- यथार्थ बोलना। हितकारी बोलना। थोड़ा बोलना। संयम- मन, वचन और शरीर को काबू में रखना। तप- मलीन वृत्तियों को दूर करने के लिए जो बल चाहिए, उसके लिए तपस्या करना। त्याग- पात्र को ज्ञान, अभय, आहार, औषधि आदि सद्वस्तु देना। अकिंचनता- किसी भी चीज में ममता न रखना। अपरिग्रह स्वीकार करना। ब्रह्मचर्य- सद्गुणों का अभ्यास करना और अपने को पवित्र रखना।

राजधानी रायपुर में दिगंबर जैन धर्म में कुल 9 दिगंबर जैन मंदिर है जहा सभी मंदिरों में श्रद्धालु रोजाना बड़ी संख्या में पहुंच कर धर्म लाभ ले रहे है। इनमे लगभग 150 वर्ष पुराना प्रमुख प्राचीन मंदिर श्री आदिनाथ दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर मालवीय रोड, के अलावा श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर टैगोर नगर, श्री चंद्रप्रभ जिनालय शंकर नगर, श्री वासुपुज्य जिनालय डी डी नगर, श्री चंद्रप्रभु जिनालय गुढियारी, श्री महावीर स्वामी जिनालय फाफाडीह श्री चंद्रप्रभ जिनालय चूड़ी लाइन, श्री पद्मप्रभ जिनालय लाभंडीह, श्री मुनीसुव्रतनाथ जिनालय कचना शामिल है।

तीन दिवसीय जॉब फेयर का आयोजन आगामी 12 सितंबर से

रायपुर (विश्व परिवार)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र द्वारा स्थानीय बेरोजगार शिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने आगामी 12 सितम्बर से 14 सितम्बर तक जॉब फेयर आयोजित किया गया है। इसका आयोजन कलेक्टोरेट स्थित पांचवा तल मल्टीनेशनल पार्किंग में किया जाएगा। जॉब फेयर का आयोजन सुबह 11 बजे से सायं 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। बीपीओ द्वारा 12वीं पास आवेदकों की भर्ती सीएसए के पांच सौ पदों पर की जाएगी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354